RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 208 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शुक्रवार, 18 जुलाई, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

कांवड़ियों को उपद्रवी कहना आस्था का अपमान : मुख्यमंत्री

भगवान बिरसा मुंडा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया उद्घाटन

वाराणसी(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सावन के पावन अवसर पर कांवड़ यात्री भक्ति भावना से चलते हैं। लेकिन यहां दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा कांवड़ियों को आतंकवादी बोला जाता है। कांवड़ियों को अपमानित किया जाता है। ऐसा करके विरासत को अपमानित किया जाता है। साथ ही सनातन धर्म की आस्था को अपमानित किया जा रहा है। कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत है।

समाज के श्रमिक वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक लोग इसमें जुड़ते हैं। कोई भेदभाव नहीं, न जाति का भेद है न वर्ग का और न ही क्षेत्र का। हर- हर बम- बम बोलते हुए भक्ति भाव से चलते हैं। लेकिन इनका मीडिया ट्रायल होता है। बदनाम किया जाता है। ये मानसिकता भारत की विरासत को अपमानित करती है।

मुख्यमंत्री ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों और समुदायों के बीच संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि दो- तीन साल पहले एक आगजनी की घटना हुई थी। तब मैंने कहा था कि यह आगजनी किसी विशेष समुदाय ने नहीं की होगी। जांच में पता चला कि आगजनी

करने वाला व्यक्ति भगवा गमछा पहने था, लेकिन उसके मुंह से 'या अल्लाह' निकला। ऐसे लोगों को चिह्नित कर समाज से बाहर करना होगा, तभी राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो लोग समाज को तोड़ने का काम करते हैं, वे वही हैं जो फर्जी अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष को बढ़ावा देते हैं। यह वही वर्ग है, जिसने आदिवासियों को भड़काने और भारत के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास किया। इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है।

बिरसा मुंडा की विरासत आदिवासी सशक्तीकरण और राष्ट्रीय आंदोलन के लिए उत्प्रेरक विषय पर केंद्रित एक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन वसंत महिला महाविद्यालय में आयोजित किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया।

दो दिवसीय आयोजन 18-19 जुलाई को वसंत महिला महाविद्यालय एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हो रहा है। 100 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए जाने हैं। मुख्य वक्ता पद्मश्री अशोक भगत हैं।

केएफसी और नजीर का शटर बंद कराया

गाजियाबाद में हिन्दू संगठन का प्रदर्शन, FIR दर्ज

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद में 'हिंदू रक्षा दल' नामक संगठन के लोगों ने सावन माह में नॉनवेज रेस्टोरेंट को बंद करने की मांग करते हुए जमकर हंगामा किया. इस दौरान संगठन के लोग केएफसी रेस्टोरेंट में घुस गए और झंडे लहराते हुए नारेबाजी की। केएफसी के अलावा भीड़ ने Nazeer Foods रेस्टोरेंट में भी विरोध-प्रदर्शन किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मामले में गाजियाबाद पुलिस ने 8 से 10 हिन्दू संगठन के लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दरअसल, पूरा मामला गाजियाबाद के वसुंधरा का है, जहां बीते दिन 'हिंदू रक्षा दल' ने सावन में नॉनवेज रेस्टोरेंट बंद करने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। संगठन के करीब दो दर्जन कार्यकर्ता हाथ में भगवा झंडे लेकर

और जय श्रीराम के नारे लगाते हुए केएफसी रेस्टोरेंट में घुस गए। वहां उन्होंने मीट बिक्री पर आपत्ति जताई. प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि कांवड़ मार्ग के करीब में आने वाले सभी जगहों के मांसाहारी रेस्टोरेंट्स को सावन माह के दौरान बंद किया जाए।

संगठन का कहना है कि सावन में बड़ी संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर निकलते हैं, ऐसे में मांसाहारी खाद्य पदार्थों की बिक्री उनकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है. विरोध दर्ज कराने के लिए हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने केएफसी रेस्टोरेंट का शटर जबरन बंद करा दिया. साथ में चेतावनी भी दी कि यदि सावन के दौरान मांस बिक्री बंद नहीं की गई, तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें एक युवक को ये कहते हुए भी देखा जा सकता है कि ये हिंदुस्तान है, यहां जो हिंदू चाहेंगे वही होगा।

यूट्यूब चैनल पर नामी कंपनी की साख को लगाया बट्टा

नोएडा (चेतना मंच)। जैव ईंधन, सौर्य संयंत्र आदि का व्यवसाय करने वाली नामी कंपनी के अधिकृत एडवोकेट ने यूट्यूब चैनल के खिलाफ कंपनी की छवि को धूमिल करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि कंपनी की प्रतिष्ठा व शख्स को नुकसान पहुंचाने के लिए यूट्यूब चैनल द्वारा झूठी एवं मनगढ़ंत जानकारियां फैलाई जा रही है। न्यायालय के निर्देश पर यह मुकदमा नोएडा के थाना सेक्टर-63 में दर्ज किया गया।

सेक्टर-62 स्थित नेक्सजेन एनर्जी लिमिटेड के अधिकृत एडवोकेट अंकुश शर्मा ने सूरजपुर स्थित न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर माइंडफुल फैक्ट्स नामक यूट्यूब चैनल के खिलाफ झूठी जानकारियां फैलाने के आरोप में शिकायत की थी। अंकुश शर्मा के मुताबिक नेक्स्ट जैन एनर्जी कंपनी कि देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में अच्छी प्रतिष्ठा है कंपनी के कार्यशैली की वजह से उसे भारत सरकार व अन्य देशों द्वारा पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। वर्ष 2023 में किसी अज्ञात व्यक्ति ने माइंडफुल फैक्ट के नाम से एक यूट्यूब चैनल शुरू किया। उक्त चैनल में कंपनी के खिलाफ एक-एक करके तीन वीडियो अपलोड किए गए। इन वीडियो में झूठे एवं कूट रचित दस्तावेज तथा कंपनी के मोहर अवैध तरीके से तैयार कर दस्तावेजों पर चिन्हित कर उन्हें वीडियो में दर्शाया गया।

उन्होंने बताया कि कंपनी के प्रतिष्ठा और साख को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से यूट्यूब चैनल द्वारा झूठी एवं मनगढ़ंत जानकारियां फैलाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यूट्यूब चैनल संचालक की कंपनी से अवैध धन उगाई करने की मंशा से वीडियो डाली गई है जिसमें कंपनी का किसी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

गर्व करें कि हम नोएडा में रहते हैं : पंकज सिंह

सुपर स्वच्छ लीग में बरकरार रहने पर सभी को बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह 2024-2025 में नोएडा ने Super Swachh League Cities (3 से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी) में जगह बनाकर सराहनीय उपलब्धि हासिल की है।

नोएडा शहर को मिली इस उपलब्धि पर नोएडा विधानसभा क्षेत्र से विधायक पंकज सिंह ने कहा कि यह हम सभी नोएडावासियों के लिए गर्व और उत्साह का क्षण है।

यह सम्मान नोएडा की जागरूक जनता, समर्पित स्वच्छाग्रही साथियों, प्रशासन की प्रतिबद्धता और सामाजिक सहयोग की जीवंत मिसाल है। नोएडा स्वच्छता, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

लखनऊ ने भी इसी स्वच्छता सर्वेक्षण में पूरे भारत में तीसरा

स्थान हासिल किया हैं। इस ऐतिहासिक नगरी ने स्वच्छता के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। इसके लिए समस्त लखनऊवासियों को हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में स्वच्छता आज एक जनआंदोलन बन चुकी है।

हनी ट्रैप में फंस गए वकील साहब, पड़ गए लेने के देने

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कोर्ट में अच्छे-अच्छों के पसीने छुड़ाने वाले एक अधिवक्ता को एक महिला ने हनी ट्रैप में ऐसा फंसाया कि उन्हें लेने के देने पड़ गए। महिला के जाल में फंसे वकील का आरोप है कि महिला ने उसका धर्म परिवर्तन कराने, झूठे केस में फंसाने की धमकी देने के साथ ही उस पर जादू टोना भी किया है। वकील ने महिला के खिलाफ पुलिस से भी शिकायत की लेकिन उन्हें कोई मदद नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने न्यायालय की शरण ली।

जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन जनपद गौतमबुधनगर के

सदस्य अधिवक्ता विनोद (काल्पनिक नाम) ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना-पत्र में बताया कि भंगेल नोएडा की रहने वाली महिला नीतू कुछ समय पूर्व उनके चेंबर पर आई और अपना केस लड़ने का प्रस्ताव उनके समक्ष रखा। महिला की बात सुनकर वह उसका केस **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

रोडरेज में इनोवा कार चालक की पिटाई

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 58 क्षेत्र में दो गाड़ियों में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना के बाद सियाज गाड़ी में सवार युवकों ने इनोवा कार चालक की पिटाई कर दी। युवकों ने इनोवा कार चालक की बेरहमी से इस कदर पिटाई की कि वह बेहोश हो गया। सेक्टर 122 निवासी वरुण चावला ने थाना सेक्टर 58 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताएं कि उनके सहकर्मी विष्णु इनोवा कार से सेक्टर-61 स्थित ऑफिस जा रहा था। रास्ते में उसकी कार की मारुति सियाज कार से टक्कर हो गई। टक्कर लगने के बाद सियाज कार से तीन युवक उतरे और विष्णु के साथ गाली गलौज करने लगे। विष्णु ने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

ट्रांसफार्मर से तेल, सामान चुराने वाला बदमाश मुठभेड़ में घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा- ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में लगे विद्युत ट्रांसफार्मरों से कीमती सामान व तेल चोरी करने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से बदमाश घायल हो गया जबकि उसका साथी फरार हो गया। बदमाश के पास से तमंचा,कारतूस,कार तथा बिजली के ट्रांसफार्मर से चोरी की गई क्राइल व एंगल बरामद हुए हैं।

एडीसीपी सेंट्रल जोन ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि थाना बादलपुर प्रभारी अमित कुमार भड़ाना पुलिस टीम **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

ओमेक्स मॉल के बाहर से चेन झपटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा दो क्षेत्र के ओमेक्स मॉल के बाहर से बाइक सवार बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए महिला खरीदारी करने के लिए मॉल में आई थी। जीटा 1 सेक्टर में रहने वाली कंचन पाल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी छोटी बहन के साथ 25 जून की शाम को घरेलू सामान खरीदने के लिए बीटा दो स्थित ओमेक्स मॉल आई थी। मॉल से सामान खरीदने के बाद वह

पार्किंग से गाड़ी लेने के लिए बाहर आई थी। इस दौरान अपाचे बाइक पर आए दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन खींच ली और फरार हो गए। उसने शोर मचा कर बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया लेकिन वह फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दिया।

पिकअप का पीछा कर पुलिस ने दबोचे शातिर बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। निर्माणाधीन साइटों पर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों की थाना फेस दो पुलिस से भिड़ंत हो गई। मुठभेड़ में एक बदमाश घायल हो गया जबकि इसके दो अन्य साथियों को कांबिंग के दौरान गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए बदमाशों के पास से तमंचा, कारतूस, चाकू चोरी के प्रॉप जैक शटरिंग पाइप व वारदात में प्रयुक्त बोलेरो पिकप गाडी बरामद हुई है।

एडीसीपी ने बताया कि थाना फेस 2 प्रभारी विंध्याचल तिवारी पुलिस टीम के साथ एनएसईजेड तिराहे पर चेकिंग कर रहे थे। पुलिस टीम ने बोलोरो पिकअप को

जांच के लिए रुकने का इशारा किया। चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे नाले की पटरी की तरफ दौड़ा दिया। पुलिस टीम ने संदेह के आधार पर बोलोरो पिकअप का पीछा किया **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

नोएडा प्राधिकरण के सिविल व उद्यान विभाग के महाप्रबंधक बने अशोक अरोड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने दो-तीन वर्षों से रिक्त चल रहे महाप्रबंधक सिविल के पद पर अशोक कुमार अरोड़ा की नियुक्ति कर दी गई है। अशोक कुमार अरोड़ा को सिविल तथा उद्यान विभाग में महा प्रबंधक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मालूम हो कि श्री अरोड़ा इसके पूर्व यूपीसीडा में महाप्रबंधक सिविल के पद पर कार्यरत थे।

नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालिका अधिकारी वंदना त्रिपाठी ने नियुक्ति का यह पत्र कल जारी किया है। मालूम हो कि कोरोना काल के बाद से महाप्रबंधक सिविल का पद रिक्त चल रहा था।

इसके अलावा नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश

कार्मिक विभाग में संबद्ध राजकमल तथा राजेंद्र सिंह की पुराने पद पर तैनाती मिली

नौएडा
एक उत्कृष्ट क्षेत्र

एम ने राजकमल सिंह को वर्क सर्कल तीन का प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक नियुक्त किया है। वे इसके पूर्व भी इसी वर्क सर्कल में प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। लेकिन सीईओ ने उन्हें इस पद से हटाकर कार्मिक विभाग से संबंध कर दिया था। इसके अलावा उद्यान विभाग खंड-3 में उपनिदेशक के तौर पर राजेंद्र सिंह **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग की मेहनत रंग लाई : डॉ. लोकेश एम

जीएम समेत सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालिका अधिकारी (सीईओ) डॉ. लोकेश एम ने कहा कि सुपर स्वच्छता लीग में शामिल 23 शहरों में नोएडा ने अपना स्थान बरकरार रखा है। जिस लीग में इंदौर जैसा शहर शामिल है उसमें नोएडा भी लगातार दूसरी बार अपना स्थान बरकरार रखने में कामयाब रहा। यह सब कुछ नोएडावासियों के अलावा जन स्वास्थ्य विभाग, जल विभाग, उद्यान विभाग तथा सिविल आदि सभी विभागों की मेहनत का परिणाम है। अब हमारी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि किस तरह हम न सिर्फ यह स्थान बरकरार रखें बल्कि छलांगा मार कर आगे की पायदान भी हासिल कर सकें।

उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि का श्रेय वैसे तो नोएडा प्राधिकरण के सभी

विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को जाता है लेकिन विशेष तौर पर जन स्वास्थ्य विभाग की टीम की मेहनत का यह प्रतिफल है जो आज भारत के श्रेष्ठ शहरों में नोएडा स्थान हासिल करने में कामयाब रहा।

उन्होंने कहा कि इसके लिए विशेष तौर पर जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

ऑटो में बैठी महिला का उड़ाया मंगलसूत्र

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ऑटो में बैठी महिला के गले से दो महिला चोरों ने सोने का मंगलसूत्र चोरी कर लिया। शक होने पर महिला ने ऑटो रुकवाकर थाना सूरजपुर से पुलिस बुला ली। तलाशी में दोनों महिलाओं के पास से चोरी किया गया मंगलसूत्र बरामद हो गया। बुलंदशहर निवासी उमेश्वर उसकी पत्नी शशि दादरी से घंटा गोल चक्कर सूरजपुर के लिए ऑटो में बैठे थे। शशि के पास सीट पर दो अन्य महिलाएं भी बैठी हुई थी। रास्ते में इन महिलाओं ने शशि के गले से मंगलसूत्र चोरी कर लिया। मंगलसूत्र चोरी होने की जानकारी मिलने पर शशि व उसके पति ने घंटा गोल चक्कर पर ऑटो रुकवा लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला पुलिसकर्मियों की मदद से दोनों महिलाओं की तलाशी ली। इनमें से एक के पास से मंगलसूत्र बरामद हो गया। पूछताछ में महिलाओं ने अपना नाम संगीता व रेशमा बताया। उन्होंने बताया कि उन्होंने रास्ते में शशि का ध्यान भटकाकर उसके गले से मंगलसूत्र निकाल लिया था। पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है।

आशा की किरण

भले ही जनाधार खोते राजनेता नई शिक्षा नीति के तीन भाषा फॉर्मूले का विरोध अपनी राजनीति चमकाने के लिये कर रहे हों, लेकिन इस दिशा में किए गए नये प्रयोग आशा की नई किरण भी जगा रहे हैं। यह निर्विवाद सत्य है कि बच्चा अपनी मातृभाषा में जितनी आसानी और सहजता से सीख सकता है, उतना किसी थोपी गई भाषा में नहीं। तमाम शिक्षाविद् और भाषाविज्ञानी मानते रहे हैं कि दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों व परिवेशगत ज्ञान विद्यार्थियों को जल्दी सीखने में मददगार हो सकता है। देश में 121 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। वहीं मातृभाषाओं की संख्या सोलह से अधिक है। इतनी अधिक भाषायी विविधता वाले देश में, जब बच्चे अपने आसपास जो देखते और महसूस करते हैं, वो उनकी स्मृतियों में स्थायी बस जाते हैं। जब ये बातें उनके शैक्षिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनती हैं, तो वे इसका आसानी से अंगीकार कर लेते हैं। कई शिक्षा आयोगों ने भी इसी बात की वकालत की है। इसी सोच के चलते देश के विभिन्न भागों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर कई प्रयोग हो रहे हैं। इस रचनात्मक पहल के सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। जिसके निष्कर्ष बताते हैं कि मातृभाषा में पढ़ाई करने से बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है। इससे साक्षरता की दर में सकारात्मक बदलाव आया है। इतना ही नहीं इससे जहां छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ा है, वहीं उनकी कक्षा में सहभागिता भी बढ़ी है। सही मायनों में नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फॉर्मूले का मकसद भी यही रहा है। विगत के अनुभव बताते हैं कि जब छात्र-छात्राओं को उनकी मातृभाषा से इतर अन्य भाषा में पढ़ाया जाता रहा है तो इसका असर उनकी सीखने की प्रक्रिया पर पड़ता है। ऐसे में दूर-दराज के गांव-देहात या आदिवासी इलाकों से आने वाले विद्यार्थी अन्य शहरी बच्चों का मुकाबले करने में असफल हो जाते हैं। जिससे उनके स्कूल छोड़ने के प्रतिशत में भी वृद्धि होती है। मौजूदा स्थितियों में तीन भाषा फॉर्मूले को लेकर किए जा रहे नये प्रयोग नई उम्मीद जगा रहे हैं। लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन ने छत्तीसगढ़, झारखंड, राजस्थान और ओडिशा के 13 जिलों में बच्चों को उनकी राज्यभाषा और अंग्रेजी के साथ-साथ मातृभाषा में पढ़ाने के लिये राज्य सरकारों के साथ मिलकर बहुभाषी शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया। इससे न केवल चयनित जिलों में बच्चों की साक्षरता दर में सुधार हुआ, बल्कि उनमें अन्य भाषा को सीखने की अभिरुचि भी बढ़ी है। एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में प्रारंभिक कक्षाओं में स्थानीय भाषा, सांस्कृतिक परंपराओं व परंपरागता ज्ञान को शामिल करने के लिये स्थानीय समुदायों की मदद भी ली गई। जिसमें स्थानीय परिवेश में उपजी लोककथाओं, स्थानीय संस्कृति आधारित कहानियां तथा कई पीढ़ियों से हासिल पारंपरिक ज्ञान को भी शामिल किया गया। बच्चों की पढ़ाई में रुचि बनी रहे, इसके लिये रचनाधर्मिता का सहारा भी लिया गया। जिसमें मौखिक शिक्षा प्रणाली का भी उपयोग किया गया। ऐसी शिक्षण सामग्री तैयार की गई जिससे बच्चे आसानी व रुचि के साथ आसानी से सीख सकें। मसलन कविता पोस्टर, कहानी के पात्रों के चित्र, वार्तालाप दर्शाने वाले चार्ट, शब्द कार्ड, वर्ण मात्रा कार्ड तथा चित्रों के जरिये कहानी बताने वाली किताबें इसमें शामिल की गईं। जिसने छात्रों में शिक्षा के प्रति रुचि जगायी और वे आसानी से सीखने लगे। उदाहरण के लिये छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में जहां पचास फीसदी बच्चे हल्बी बोलते थे, वहां हिंदी में पढ़ाई करने से शिक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ रहे थे। इस क्षेत्र में प्रारंभिक कक्षाओं में हल्बी को हिंदी के साथ जोड़कर पढ़ाया गया। इस शैक्षिक कार्यक्रम को क्रियान्वित करने के बाद सर्वे में यह सामने आया कि बस्तर में औसतन साक्षरता की दर में इकतीस फीसदी की, संख्या ज्ञान में पच्चीस फीसदी और वर्ण-अक्षर पहचान में छब्बीस फीसदी का सुधार हुआ। इसके अलावा मौखिक पाठन में चौदह फीसदी का सुधार आया। निश्चित रूप से इस अभिनव पहल ने देश को संदेश दिया कि मातृभाषा में शिक्षण से साक्षरता व शिक्षा की गुणवत्ता में आशातीत बदलाव लाया जा सकता है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि एक बार राजा के मन में बड़ी ग्लानि हुई कि मेरे पुत्र नहीं है। राजा तुरंत ही गुरु के घर गए और चरणों में प्रणाम कर बहुत विनय की॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

निज दुख सुख सब गुरहि सुनायउ। कहि बसिष्ठ बहुबिधि समुझायउ॥
धरहु धीर होइहहिं सुत चारी। त्रिभुवन बिदित भगत भय हारी॥

राजा ने अपना सारा सुख-दुःख गुरु को सुनाया। गुरु वशिष्ठजी ने उन्हें बहुत प्रकार से समझाया (और कहा-) धीरज धरो, तुम्हारे चार पुत्र होंगे, जो तीनों लोकों में प्रसिद्ध और भक्तों के भय को हरने वाले होंगे॥

सृंगी रिषिहि बसिष्ठ बोलावा। पुत्रकाम सुभ जग्य करावा॥
भगति सहित मुनि आहुति दीन्हें। प्रगटे अगिनि चरू कर लीन्हें॥

वशिष्ठजी ने श्रृंगी ऋषि को बुलवाया और उनसे शुभ पुत्रकामेष्टि यज्ञ कराया। मुनि के भक्ति सहित आहुतियाँ देने पर अग्निदेव हाथ में चरु (हविष्यान्न खीर) लिए प्रकट हुए॥

दो0-जो बसिष्ठ कछु हृदयँ बिचारा। सकल काजु भा सिद्ध तुम्हारा॥
यह हबि बाँटि देहु नृप जाई। जथा जोग जेहि भाग बनाई॥

(और दशरथ से बोले-) वशिष्ठ ने हृदय में जो कुछ विचारा था, तुम्हारा वह सब काम सिद्ध हो गया। हे राजन्?! (अब) तुम जाकर इस हविष्यान्न (पायस) को, जिसको जैसा उचित हो, वैसा भाग बनाकर बाँट दो॥

(क्रमशः...)

स्वच्छता एवं नशामुक्ति के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते सामाजिक संगठन

इस धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक जीव के लिए प्रकृति ने पर्याप्त खाद्य पदार्थ दिए हैं परंतु अति लालच के चलते मानव ने प्रकृति का शोषण करना शुरू कर दिया है। इसमें कोई अब कोई संदेह नहीं रह गया है कि मानव ने अपनी जिंदगी को आसान बनाने के लिए पर्यावरण का अत्यधिक नुकसान किया है और इसका परिणाम आज उसे ही भुगतना भी पड़ रहा है। कई देशों में तो भयंकर गर्मी में वहां के जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं जिनसे जान और माल की भारी हानि हो रही है। हम पर्यावरण के सम्बंध में बढ़ चढ़ कर चर्चाएं तो करते हैं परंतु आज हमारे गावों में खेत, प्लाटों में परिवर्तित हो गए हैं। हमारे खेतों पर शोपिंग काम्प्लेक्स एवं मॉल खड़े हो गए हैं जिससे हरियाली लगातार कम होती जा रही है।

बीते कुछ वर्षों में कंकरीट की इमारतों में अत्यधिक वृद्धि एवं भूमि प्रयोग में बदलाव के चलते भारत में भी तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश के महानगर अर्बन हीट आइलैंड बन रहे हैं। अर्बन हीट आइलैंड वह क्षेत्र होता है जहां अगल-बगल के इलाकों से अधिक तापमान रहता है। कई स्थानों पर अत्यधिक गर्मी के पीछे अपर्याप्त हरियाली, अधिक आबादी, घने बसे घर और इंसानी गतिविधियां जैसे गाडियों और गैजेट से निकलने वाली हीट आदि कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। कार्बन डाईआक्साइड और मेथेन जैसी ग्रीन हाउस गैसों एवं कूड़ा जलाने से भी गर्मी बढ़ती है। राजधानी दिल्ली का उदाहरण हमारे सामने है। जहां चारों दिशाओं में बने डंपिंग यार्डों में आग लगी ही रहती है और लोगों का सांस लेना भी अब दूभर हो रहा है।

भारत ने वर्ष 2070 तक नेट जीरो यानी कार्बन उत्सर्जन रहित अर्थव्यवस्था का लक्ष्य तय किया हुआ है। यद्यपि पर्यावरण रक्षा में भारत के प्रयास बहुआयामी रहे हैं लेकिन यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक देशवासी प्राकृतिक संसाधनों का अनावश्यक अत्यधिक शोषण करना बंद नहीं करते। शहरों के बढ़ते तापमान की रोकथाम हेतु जरूरी है कि मौसम और वायु प्रवाह का ठीक तरह से नियोजन किया जाए। हरियाली का विस्तार, जल स्रोतों की सुरक्षा, वर्षा जल संचय, वाहनों एवं एयर कंडीशंस की संख्या की कमी से ही हम प्रचंड गर्मी को कम कर सकते हैं। पृथ्वी का तापमान घटेगा तभी मानव सुरक्षित रह पाएगा।

उक्त संदर्भ में यह हम सभी भारतीयों के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए कि हमारे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन मौजूद हैं जो सदैव ही सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक एवं सेवा कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर, देश पर आने वाली किसी भी विपत्ति में आगे आकर, सेवा कार्य करना प्रारम्भ कर देते हैं। भारत के पर्यावरण में सुधार लाने की दृष्टि से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने तो

बाकायदा एक नई पर्यावरण गतिविधि को ही प्रारम्भ कर दिया है। जिसके अंतर्गत समाज में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले संगठनों को साथ लेकर संघ द्वारा देश में प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करने का अभियान प्रारम्भ किया गया है और देश में अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम प्रारम्भ की गई है। साथ ही, विभिन्न शहरों को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाने हेतु भी विशेष अभियान प्रारम्भ किए हैं। उदाहरण के तौर पर ग्वालियर को स्वच्छ, नशामुक्त एवं प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने का बीड़ा उठाया गया है।

इसी संदर्भ में ग्वालियर महानगर में विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय शिविर आयोजित किया गया था। इस शिविर के एक विशेष सत्र में इस बात पर विचार किया गया कि ग्वालियर महानगर को स्वच्छ एवं नशामुक्त बनाया जाना चाहिए। उक्त शिविर के समापन के पश्चात उक्त समस्याओं के हल हेतु विविध संगठनों के दायित्ववान कार्यकर्ताओं की तीन बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में विस्तार से विचार करने के उपरांत यह निर्णय लिया गया कि कुछ चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन्न मठ, मंदिरों, स्कूलों, संस्थानों आदि में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा जाए ताकि उक्त समस्याओं के हल में समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इस संदर्भ में चुने गए 60 कार्यकर्ताओं के लिए एक वक्ता कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। इन चिन्हित कार्यकर्ताओं को विभिन संस्थानों में विषय प्रस्तुत करने हेतु भेजा गया था ताकि उक्त समस्याओं के हल करने हेतु समाज को भी साथ में लेकर कार्य को सम्पन्न किया जा सके।

साथ ही, ग्वालियर को प्रदूषण मुक्त सुंदर नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को, ग्वालियर के चुने हुए 29 चौराहों पर मानव शृंखलाएं बनाई गई थी, लगभग 8,000 नागरिकों ने इस मानव शृंखला में भागीदारी की थी। इसी प्रकार, ग्वालियर को व्यसन मुक्त नगर बनाए जाने के अभियान को स्थानीय जनता के बीच ले जाने हेतु, स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर, दिनांक 12 जनवरी 2025 को एक विशाल मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम के आयोजन में स्थानीय प्रशासन का भरपूर सहयोग प्राप्त हुआ एवं लगभग 6,000 नागरिकों ने इस मेराथन दौड़ में भाग लिया था।

संघ के ग्वालियर विभाग द्वारा ग्वालियर महानगर में अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने की मुहिम प्रारम्भ की गई। जिसके अंतर्गत ग्वालियर के कई विद्यालयों में वहां के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को साथ लेकर स्वयंसेवकों द्वारा नगर में भारी मात्रा में पौधारोपण किया गया। ग्वालियर की पहाड़ियों पर भी इस मानसून के मौसम के दौरान हजारों की संख्या में नए पौधे रोपे गए हैं। गजराराजा स्कूल, केआरजी महाविद्यालय एवं गुप्तेश्वर मंदिर की पहाड़ियों को तो पूर्णत हरा भरा बना दिया गया है।

नगर के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा नगर के विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक संगठनों, धार्मिक संगठनों, एवं नगर के विभिन्न चौराहों पर नागरिकों को शपथ दिलाई जा रही है कि मैं ग्वालियर नगर को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु, आज से प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं करूंगा। अभी तक एक लाख से अधिक नागरिकों को यह शपथ दिलाई जा चुकी है। कई स्कूल, कई मंदिर एवं कई महाविद्यालय (लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान-एलएनआईपीई सहित) पोलिथिन मुक्त हो चुके हैं। इसी प्रकार, ट्रिपल आईटीएम प्रबंधन के प्रयास से संस्थान के आसपास दुकानदारों द्वारा मादक पदार्थों के बिक्री करना बंद कर दिया गया है। साथ ही, ग्वालियर महानगर में एक लाख से अधिक नागरिक, नशा नहीं करने का संकल्प ले चुके हैं।

विभिन्न मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों में भंडारों का आयोजन किया जाता है। इन भंडारों में अब प्रसादी को दोनों, पत्तलों में परोसा जाने लगा है एवं प्लास्टिक का उपयोग लगभग बंद कर दिया गया है। साथ ही, इन मंदिरों के आसपास प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा डस्टबिन रखवाये गए हैं, ताकि कचरे को यहां वहां न फैला कर इन डस्टबीन में डाला जा सके। इससे, मठ, मंदिरों एवं गुरुद्वारों के आसपास के इलाके स्वच्छ रहने लगे हैं। ग्वालियर महानगर के जनप्रतिनिधि विभिन्न मैरिज गार्डन में जाकर इनके मालिकों से लगातार चर्चा कर रहे हैं कि इन मैरिज गार्डन में अमानक पॉलीथिन का उपयोग बिलकुल नहीं होना चाहिए। इसका असर यह हुआ है कि अब मैरिज गार्डन में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में प्लास्टिक का उपयोग धीरे धीरे कम होता हुआ दिखाई दे रहा है।

नागरिकों को कपड़े से बने थैले भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि बाजारों से सामान खरीदते समय इन कपड़े के थैलों का इस्तेमाल किया जा सके और प्लास्टिक के उपयोग को तिलांजलि दी जा सके। प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने के उद्देश्य से गणेशोत्सव के पावन पर्व पर नगर में विभिन्न गणेश पांडालों में बच्चों द्वारा नाटक भी खेले गए। साथ ही, संघ ने अपने स्वयंसेवकों को आग्रह किया है कि संघ द्वारा आयोजित किए जाने वाले किसी भी कार्यक्रम में प्लास्टिक का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया जाना चाहिए। और, अब संघ के कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखा जाने लगा है कि प्लास्टिक का उपयोग बिल्कुल नहीं किया जाय।

ग्वालियर के नागरिकों, विविध संगठनों, सामाजिक संस्थानों एवं प्रशासन द्वारा लगातार किए गए प्रयासों के चलते ग्वालियर महानगर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत राज्य स्तरीय मिनिस्ट्रीयल अवार्ड के लिए चुना गया है। यह पुरस्कार 17 जुलाई 2025 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किया जाएगा। इसी प्रकार, सिविल अस्पताल, हजीरा, जिला ग्वालियर को स्थानीय नागरिकों को उच्च स्तर की गुणवत्ता पूर्ण संक्रमण रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्य प्रदेश से प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

जब पूरे देश में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जैसे संगठन आगे आकर समाज के अन्य संगठनों को साथ लेकर देश के पर्यावरण में सुधार लाने हेतु कार्य प्रारम्भ करेंगे तो भारत के पर्यावरण में निश्चित ही सुधार दृष्टिगोचर होने लगेगा।

प्रहलाद सबनानी
सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक,

पानी का स्मार्टसिटी (व्यंग्य)

हम कोई छोटे मोटे बंदे नहीं हैं हम स्मार्ट सिटी के वासी हैं। आपको शायद पता न हो स्मार्ट सिटी सिर्फ हमारे देश में हैं। दूसरी चुस्त बातों का ज़िक्र आज छोड़ो, हमारी स्मार्ट सिटी में कमबख्त बादलों की गलती से एक बार तेज़ बारिश आ जाए तो हम उसके पानी का खुले दिल से स्वागत करते हैं। हम सड़कों को तालाब होने देते हैं ताकि गरमी में स्मार्ट और ठंडे अनुभव हों। जो अनुभव स्मार्ट सिटी में होते हैं वे छोटे मोटे गांव या शहर में नहीं हो सकते। बहुत दिनों बाद कई कई फुट पानी सड़क पर घूमता देखकर तबीयत पानी पानी हो जाती है। हम बताना नहीं चाहते, वास्तव में एक ज़ोरदार बारिश में हमारी सिटी की, सिट्टी पिट्टी गुम हो जाती है।

हम काम से लदे, कार्ड्स से भरी ज़िंदगी में, कहीं भी भागते दौड़ते ही जा सकते हैं लेकिन अपने चुस्त शहर में स्वयं पधारी नदी में तो आराम से तैर भी सकते हैं। अपनी कार को भी ख़ास अनुभव दिला कर हिम्मत का इम्तहान भी दे सकते हैं। कुछ मिनट की यात्रा को कई घंटे में पूरी कर सहनशक्ति विकसित कर सकते हैं। यहां कार का हॉर्न बंद हो जाता है क्यूंकि पानी ने बैंड बजा दी होती है। हम ज्यादा सुविधाओं में रहने वालों को कुछ ही देर में पता चल जाता है कि वास्तविक ट्राफिक जाम, जल भराव और नाकाम प्रशासन क्या होता है । सीवर ओवर फ्लो,

बढ़िया महंगी कार बंद हो जाने, करोड़ों के फ्लैट में शाम की जगह देर रात को पहुंचने से, आम बेबस व्यक्ति जैसा महसूस करना, अपने आप में यादगार बन जाता है। और हां, इस दौरान हम विरले वीडियो भी बनाते हैं।

सड़क पर उफनती नदी में साइबर सिटी के प्रबंध हमें डूबने की प्रेरणा देते हैं। कुछ लोग ऑनलाइन बोट खरीदने की सोचने लगते हैं। ऐसा ज़बर्दस्त मौक़ा गांव में रहते हुए भी नहीं मिल सकता क्यूंकि हर गांव में नदी नहीं होती। यह सौभाग्य हमारे स्मार्ट सिटी में है कि करोड़ों खर्च कर, आलीशान मकान खरीदकर, महंगा सामान सजाकर भी गरीब से गरीब लोगों जैसी जीवन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है। हमें आम लोगों के साथ ही, गंदे पानी में जाम में फंसे रहना पड़ता है।

हम अपने स्मार्ट सिटी की तुलना आम विदेशी शहरों से नहीं कर सकते। वहां हर किसी को, किसी भी स्थिति में एक जैसे अनुभव होते हैं। यहां खूब पैसा कमाकर भी मज़ा नहीं आता। कुछ भी हो जी, ऐसे अनुभव इंसान में चुस्ती और जागरूकता तो भर ही देते हैं। हम, नगरपालिका को बुरा ही बुरा कह रहे होते हैं। कुछ ही देर में, छोटी छोटी कम सुविधाओं वाली कई जगहों को याद कर चुके होते हैं लेकिन फिर यही बात माननी पड़ती है कि स्मार्ट सिटी में रहने की बात ही अलग है। कभी कभार थोड़ी स्मार्टनेस कम हो भी गई तो क्या हुआ। पानी का क्या है उतर ही जाता है।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

श्रावण माह, कृष्ण पक्ष, अष्टमी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन हो रहा है। मन परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय में सुधार होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। अच्छे समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य में सुधार। कोर्ट-कचहरी में विजय। व्यापारिक सफलता। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
कार्यों की विघ्न-बाधा खत्म होगी। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य में सुधार।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आनंदमय जीवन गुजरेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात होगी। जीवनसाथी के साथ सानिध्य बना रहेगा, जो लोग विवाहित हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे या स्वंय हार जाएंगे। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित है। प्रेम, संतान अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। भौतिक सुख-संपदा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ। व्यापार अच्छा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
जुआ, सट्टा, लॉटरी में पैसे न लगाएं। नुकसान का संदेह है। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
स्वास्थ्य में सुधार हो चुका है। प्रेम, संतान भी अच्छा है। व्यापार भी अच्छा है। धर्नाजन बढ़ेगा। कुटुंब में वृद्धि होगी।

शारदा विश्वविद्यालय में अतिथि व्याख्यान का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। नॉलेज पार्क स्थित शारदा विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज और विश्वविद्यालय की एलुमनाई एसोसिएशन ने अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। इसका उद्देश्य संगठनात्मक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ और स्थिरता को बढ़ाने में मार्केटिंग और स्टार्टअप रणनीतियों की प्रासंगिकता के प्रति छात्रों की समझ विकसित करना है। छात्रों को एक उद्योग विशेषज्ञ से प्रदर्शन-आधारित मार्केटिंग रणनीतियों और वैश्विक अभियान प्रबंधन पर व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना, मार्केटिंग में वास्तविक दुनिया के अनुभवों और सफलता की कहानियों को साझा करके शैक्षणिक शिक्षा और उद्योग अनुप्रयोग के बीच की खाई को पाटना।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता ग्रोथ मास्टर और फ्रैंचाइज़ी वॉयस डॉट कॉम के संस्थापक और प्रमुख कबीर चौधरी ने मैक्रो और माइक्रो बिजनेस वातावरण में बदलावों के संबंध में बाजार में हो रहे बदलावों को समझने के लिए उपभोक्ताओं की मानसिकता का विश्लेषण करना आवश्यक बताया। उन्होंने बताया कि इस समय उपभोक्ताओं की निर्णय लेने और खरीद व्यवहार से संबंधित सोचने की क्षमता में बदलाव हो रहा है।

उन्होंने विभिन्न रणनीतिक विपणन उपायों पर भी चर्चा की, जिनका उपयोग कंपनियां उपभोक्ताओं की जरूरतों और इच्छाओं के अनुसार खुद को संरेखित करने के लिए करती हैं। उन्होंने सार्थक जुड़ाव कार्यक्रमों का उपयोग करके बदलते ग्राहक गतिशीलता को संबोधित करने के लिए उपभोक्ता अनुभव को संश्लेषित करने की आवश्यकता के बारे में उद्देश्यपूर्ण ढंग से बात की।

नए उत्पाद विकास प्रक्रिया, मूल्य निर्धारण रणनीतियों और प्रचार तकनीकों में विपणन अनुसंधान के महत्व पर उन्होंने जोर दिया और उत्पाद जीवन चक्र की प्रासंगिकता पर भी बल दिया। उन्होंने छात्रों को सुपरमार्केट में वस्तुओं के स्थान के बारे में कई अन्य उदाहरण भी प्रस्तुत किए। साथ ही, छात्रों के साथ व्यक्तिगत बातचीत में उनके कई प्रश्नों के उत्तर दिए। इस दौरान डीन डॉ. निखिल कुलश्रेष्ठ, डॉ. शांति नारायणन, डॉ. हरि शंकर श्याम, डॉ. खगेंद्र नाथ गंगई, डॉ. जुनैद आलम समेत अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का किया स्वागत

दादरी (चेतना मंच)। दादरी नगर भाजपा कार्यकारिणी में राजपूत समाज के पदाधिकारी बनने पर ठाकुर सुखवीर सिंह शिशोदिया के आवास प्रताप विहार, दादरी पर, दादरी मंडल में उपाध्यक्ष ठाकुर जतिभान, आर्य सुशील ठाकुर को नगर मंत्री और ठाकुर अनूप राठौड़ को सोशल मीडिया प्रभारी बनने पर राजपूत समाज सभा ने सभी का फूल-माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

ठाकुर क्षत्रिय समाज के लोगों ने एक स्वर और एकजुटता से कहा कि भाजपा ने समाज के लोगों को आगे बढ़ाने के लिए पदाधिकारी बनाकर जो सम्मान दिया है, हम सब भाजपा और देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री आदित्यनाथ योगी जी के साथ हैं। हम सब मिलकर भाजपा को मजबूत करने का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर ठाकुर सुधीर, कृष्ण पंवार, श्यामवीर चौहान, रूप किशोर, कालीचरण रावल, दीवान सिंह रावल, ठाकुर सुशील कुमार, ठाकुर आनंद सिंह, ठाकुर प्रशांत सिंह, विनीत गौड़, दिनेश रावल, ठाकुर प्रमोद कुमार, ठाकुर ऋषिपाल सिंह, ठाकुर सुधीर सिंह आदि सैकड़ों राजपूत समाज सभा के लोग उपस्थित रहे।

सेक्टर बीटा-1 का इलेक्ट्रिक विभाग के सीनियर मैनेजर ने किया निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण इलेक्ट्रिक विभाग के सीनियर मैनेजर सौरभ भारद्वाज, मैनेजर अजीत पटेल, सुरेश एवं संजीव राणा ने कर शिकायत पर सेक्टर बीटा वन का निरीक्षण किया। जहां लाइटें बंद हैं और लाइट से संबंधित समस्याएं हैं। सभी का जायजा लिया गया। हरेंद्र भाटी ने बताया कि सेक्टर बीटा वन में पोल से पोल तक ऊपर से तार डाले हुए हैं। सिंटेक्स बॉक्स टूटे हुए हैं। पोल के नीचे की प्लिंथ भी टूटी हुई है। पैनल बॉक्स जगह-जगह खुले रहते हैं। लाइट बंद होने की समस्या सेक्टर में काफी अधिक है। सेक्टर में इलेक्ट्रिक पोल टूटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द कराया जाए।

नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप में खेलेंगे के नोएडा के समर नागर

नोएडा (चेतना मंच)। अमृतसर में आयोजित होने वाली जूनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप के लिये नोएडा निवासी उदीयमान फुटबॉल खिलाड़ी समर नागर का दिल्ली प्रदेश की टीम में चयन हुआ है। जूनियर नेशनल चैंपियनशिप बी.सी. रॉय ट्राफी के लिए दिल्ली सोकर एसोसिएशन (दिल्ली फुटबॉल) की ओर से आयोजित किए गए ट्रायल में नोएडा के सेक्टर-41 निवासी ज्ञानश्री स्कूल सेक्टर-127 नोएडा के कक्षा-10 के छात्र समर नागर ने भाग लिया और कड़ी प्रतिस्पर्धा को पार कर टीम में चयनित हुए। ट्रायल में 850 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया और भाग लिया।

15 दिनों तक चली ट्रायल के बाद आज पहले 30 खिलाड़ियों का चयन कैम्प के लिए किया गया जिसमें टीम ने दिल्ली के प्रसिद्ध सुदेवा फुटबॉल क्लब के मैदान सहित अन्य स्थानों पर विभिन अभ्यास मैच खेले और आज दिल्ली फुटबॉल के अध्यक्ष अनुज गुप्ता एवं चयन समिति के चीफ सेलेक्टर नागेंद्र सिंह सहित अन्य सदस्यों ने 20 सदस्यीय चयनित दिल्ली प्रदेश टीम को दिल्ली टीम की जर्सी सौंपी और विजयश्री हेतु शुभकामनाएं प्रदान कीं। टीम का चयन किया गया। ज्ञात रहे कि समर विश्वप्रसिद्ध बाईचुंग भूटिया फुटबॉल एकेडमी की राजाज्ञा सेक्टर-50 स्थित साखा में प्रशिक्षण ले रहे है।समर के पिता सत्येंद्र नागर ने कहा कि मात्र 14 वर्ष की आयु में नेशनल लेवल पर चयनित होकर उसने गौतमबुद्ध नगर सहित पूरे उत्तर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

कोतवाली प्रभारी को किया सम्मानित

दादरी(चेतना मंच)। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपवास ने बादलपुर कोतवाली पहुंचकर बादलपुर कोतवाली प्रभारी अमित कुमार भड़ाना को पट्टा पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जयंती प्रसाद (तहसील संरक्षक), अमित मुखिया (तहसील उपाध्यक्ष) आदि लोग उपस्थित रहे।

योगी सरकार के स्कूल बंदी फैसले के खिलाफ माकपा का प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के निर्णय के विरोध में भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), सीपीआई(एम) की गौतम बुद्ध नगर कमेटी ने आज नोएडा के सेक्टर-8 स्थित बांस-बल्ली मार्केट में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी ने योगी सरकार द्वारा शिक्षा सुधार के नाम पर लिए गए इस फैसले को गरीबों और ग्रामीण अंचल के बच्चों के खिलाफ साजिश करार देते हुए तत्काल वापस लेने की मांग की। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए पार्टी के जिला प्रभारी गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा शासित राज्य सरकारें स्कूलों के विलय के नाम पर हजारों विद्यालयों को बंद कर चुकी हैं, जो बच्चों के शिक्षा अधिकार को सीधा नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने चेताया कि इस फैसले का सबसे ज्यादा असर ग्रामीण क्षेत्रों और विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा पर पड़ेगा।

गंगेश्वर शर्मा ने कहा कि यह निर्णय शिक्षा का अधिकार कानून का खुला उल्लंघन है, जिसके तहत हर बच्चे को 1 किलोमीटर के भीतर प्राथमिक और 3 किलोमीटर के भीतर उच्च प्राथमिक स्कूल मिलने की गारंटी है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि सरकार शिक्षकों के लाखों रिक्त पद भरने के बजाय स्कूल ही बंद कर रही है, जिससे युवाओं के रोजगार के अवसर भी छिन रहे हैं।

सीटू नेता भरत डेंजर ने सरकार पर शिक्षा के निजीकरण की दिशा में कदम बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह निर्णय गरीब बच्चों को शिक्षा से दूर रखने का षड्यंत्र है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जनवादी महिला समिति की जिला सचिव चंदा बेगम ने भी प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार का यह फैसला प्रदेश की जनता को मंजूर नहीं है और उनकी समिति इसके खिलाफ प्रदेशव्यापी जन आंदोलन चलाएगी। प्रदर्शन में भीखू प्रसाद, हरकिशन सिंह, रामस्वारथ, रामकिशन सिंह, टीकम सिंह, सुरेंद्र, सलमा, मेहंदी, गीता समेत सीपीआई (एम), सीटू और महिला संगठनों के सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। सीपीआई(एम) ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि यह फैसला वापस नहीं लिया गया तो विरोध और तेज किया जाएगा।

शिक्षकों ने गांवों में चलाया संवाद अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों को अन्य विद्यालयों में मर्ज किए जाने के निर्णय के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, गौतमबुद्ध नगर ने एक जिम्मेदार और संवेदनशील कदम उठाते हुए गांव-गांव जाकर जनसंवाद अभियान शुरू किया है।

मंडल अध्यक्ष मेघराज भाटी व जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा के नेतृत्व में संघ द्वारा यह अभियान शिक्षकों की सामाजिक जिम्मेदारी और शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

ब्लॉक जेवर अध्यक्ष हेमराज शर्मा, मंत्री रोदास सिंह, पर्यवेक्षक दीवान सिंह एवं पूरी ब्लॉक कार्यकारिणी ने ग्राम सबोता और बनवारीवास में पहुंचकर अभिभावकों, ग्रामीणों और विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों से सीधा संवाद स्थापित किया। इसी तरह ब्लॉक दनकौर अध्यक्ष सतीश पीलवान, मंत्री रामकुमार शर्मा, पर्यवेक्षक बलेराम नागर और ब्लॉक कार्यकारिणी की टीम ने ग्राम बागपुर में जनसंवाद किया।

इस अवसर पर शिक्षकों ने शासन की नीति से उत्पन्न आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया और ग्रामीणों को बताया कि विद्यालयों का मर्जर बच्चों की शिक्षा पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालय बंद होने से न सिर्फ बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी, बल्कि गांव की सामाजिक संरचना और शिक्षा का माहौल भी कमजोर होगा।

संघ का यह प्रयास शिक्षा बचाओ-गांव बचाओ अभियान को एक नई दिशा देता है। यह पहल दर्शाती है कि शिक्षक केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे नीति और ज़मीनी हकीकत के बीच सेतु बनकर समाज को जागरूक करने की भूमिका निभा रहे हैं। संघ ने शासन से मांग की है कि वह इस निर्णय पर पुनर्विचार करे और जनभावनाओं व बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता दे।

हथियारों के साथ पकड़े तीन बदमाश

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए है। पकड़े गए बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे थे। थाना सेक्टर-142 पुलिस ने गश्त के दौरान एफएनजी रोड के पास संदिग्ध अवस्था में घूम रहे एक युवक को मुखबिर की सूचना पर हिरासत में लिया। तलाशी में इसके पास से एक तमंचा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम विकास उर्फ बीका पुत्र संजय वाल्मीकि जनपद कासगंज बताया। आरोपी हाल में शहदरा गांव में किराए पर रह रहा है। थाना सेक्टर-113 पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आदित्य उर्फ नितिन पुत्र राजू निवासी फर्रुखाबाद को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए बदमाश ने बताया कि वह लोगों को डराने व धमकाने के लिए तमंचा रखता है। वहीं थाना दादरी पुलिस ने गश्त के दौरान बोड़ाकी रामगढ़ टी पॉइंट के पास संदिग्ध अवस्था में खड़े एक युवक को हिरासत में लिया।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड सं0-01, सेक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नौएडा, जनपद गौतमबुद्धनगर (उ0प्र0)
वेबसाइट: www.greaternoidaauthority.in ई-मेल: authority@gnida.in

पत्रांक:-सम्पत्ति/किसान-आबादी/2025/1064 दिनांक: 17/07/2025

सार्वजनिक सूचना

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की 128वीं बोर्ड बैठक दिनांक 28.12.2022 के मद सं० 39 के अन्तर्गत निर्धारित नीति के क्रम में नियोजन उपरान्त नियोजन विभाग से प्राप्त सूची में उल्लिखित ग्राम-डाढा के किसान आबादी के समान आकार के नव-नियोजित भूखण्डों का निम्न सूची के अनुसार सम्बन्धित कृषकों के मध्य ड्रा के माध्यम से दिनांक **19.07.2025** को प्रातः **11.00** बजे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम/सभागार में ड्रा/आवंटन की कार्यवाही की जानी नियत है :-

क्र0 सं0	नियोजन विभाग द्वारा उपलब्ध सूची का क्र० सं०	कृषक का नाम	भूखण्ड का आकार (वर्ग मी० में)	नियोजित भूखण्ड संख्याए, जो ड्रा के माध्यम से आवंटित की जानी है।
1	2	श्रीमती राजकुमार पत्नी राजू	66.6	20,21,22,23
2	3	श्रीमती रेखा पत्नी करन सिंह	66.6	
3	4	श्रीमती राखी पत्नी रनपाल	66.6	
4	5	श्रीमती दयावती पत्नी बलजीत सिंह	66.6	
5	14	श्री रतन सिंह पुत्र अमीचन्द	100	3A, 3B, 3C, 38, 39
6	15	श्री विजयपाल	100	
7	15	श्री विजयपाल	100	
8	15	श्री विजयपाल	100	
9	15	श्री विजयपाल	100	
10	30	श्री रिषीपाल पुत्र पदम सिंह	104	1, 2, 36, 37
11	32	श्री सत्यपाल पुत्र पदम सिंह	104	
12	35	श्रीपाल पुत्र पदम	104	
13	38	श्री वेदपाल पुत्र पदम	104	
14	17	श्रीमती अन्जू पत्नी श्याम सिंह	110	3F, 3G, 3H, D-148/1
15	18	श्री बिजेन्द्र पुत्र धरमवीर	110	
16	18	श्री बिजेन्द्र पुत्र घरमवीर	110	
17	18	श्री बिजेन्द्र पुत्र धरमवीर	110	
18	19	श्री अजीपाल पुत्र चन्दी	120	3I, 3J, 3K, 3L, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 65, 66, 67
19	20	श्रीमती अन्जू पत्नी श्याम सिंह	120	
20	21	श्री अशोक कुमार पुत्र मूले	120	
21	23	श्री दयाचन्द पुत्र रघुवीर	120	
22	24	श्री दयाचन्द पुत्र लिखीराम	120	
23	25	श्री दुलीचन्द पुत्र लिखीराम	120	
24	26	श्री इन्द्राज सिंह पुत्र किशन बन्द	120	
25	27	श्री किशन चन्द पुत्र महुआ	120	
26	28	श्री रमेश पुत्र लिखीराम	120	
27	29	श्री रामपाल पुत्र पदम सिंह	120	
28	31	श्री रिषीपाल पुत्र पदम सिंह	120	
29	33	श्री सत्यपाल पुत्र पदम सिंह	120	
30	34	श्रीमती शान्ती	120	
31	36	श्रीपाल पुत्र पदम	120	
32	37	श्री सुरेश पुत्र श्रीचन्द	120	
33	39	श्री विरेन्द्र पुत्र वीर सिंह	120	
34	40	श्री रामपाल सिंह पुत्र दलेल	120	
35	40	श्री रामपाल सिंह पुत्र दलेल	120	
36	40	श्री रामपाल सिंह पुत्र दलेल	120	
37	13	श्री राजवीर सिंह पुत्र हरीराम	120	
38	13	श्री राजवीर सिंह पुत्र हरीराम	120	
39	52	श्री विजयपाल पुत्र मलखान	390	45, 46
40	53	श्रीमती प्रेमवती पुत्री पूरन सिंह	390	

अतः सूची में उल्लिखित कृषक ससमय से अपनी पहचान के रूप में आधार कार्ड के साथ ड्रा की कार्यवाही में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

भवदीय,
(रामनयन सिंह)
विशेष कार्याधिकारी (किसान आबादी)

Follow Us On / OfficialGNIDA

10 वर्षीय बच्चा गायब

नोएडा (चेतना मंच)। घर से खेलने के लिए निकला एक (10 वर्षीय) बालक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। लापता बालक की माँ की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के बरौला गांव में रहने वाली प्रज्ञा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका 10 वर्षीय बेटा 15 जुलाई की शाम को घर से खेलने के लिए गया था। देर रात तक जब वह वापस नहीं लौटा तो उसकी तलाश की गई लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस बालक की तलाश कर रही है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

कैलाश मान सरोवर का परिक्रमा करते नोएडा निधानसभा के पूर्व प्रत्याशी एवं लोजपा के वरिष्ठ नेता अमरेश श्रीवास्तव।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं0: पी0आर0वाई0जे0-सिग-408-2025-26 दिनांक: 14.07.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ समन्वय/ उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **20.08.2025** को **15:00 बजे** तक आमन्त्रित की जाती है।

क्र.सं.	निविदा संख्या	कार्य का विवरण
1	पी0आर0वाई0जे0-सिग-408-2025-26	"सीनियर डीएसटीई/अलीगढ़ सेक्शन में दोषपूर्ण/खराब हो चुके क्लास-ए और क्लास-बी एस.पी.डी के प्रतिस्थापन तथा डी.सी.टी.सी के फीड और रिले एंड पर क्लास-सी एस.पी.डी का प्रावधान तथा दोषपूर्ण अर्थिंग व्यवस्था के प्रतिस्थापन का प्रावधान।"
	अनुमानित मूल्य (रुपये में): Rs. 24910775.60/- (दो करोड़ उनचास लाख दस हजार सात सौ पचहत्तर रुपये और साठ पैसा केवल)	
	निविदा प्रतिभूति/धरोहर राशि (रुपये में): 274600.00	
	कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा बंद होने/खुलने की तिथि: 20.08.2025
2	निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता	निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।
3	बयाने की राशि जमा करना एवं उसका रूप:	निविदाओं में निर्धारित उपरोक्त धरोहर राशि निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इन्टरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा जमा की जाएगी। यदि निविदादाता धरोहर राशि उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा। बिना उचित धरोहर राशि के निविदा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और पूर्णतः अस्वीकृत कर दी जाएगी।
4	निविदा खुलने का समय, तिथि एवं स्थान	निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को **15:30 बजे** या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मंडल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी।
5	निविदा की वैधता	निविदा खुलने के 60 दिन तक।
6	निविदा सम्बंधित रेलवे के अधिकार	रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 1244/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

खास खबर

अलास्का में 7.3 तीव्रता का आया भूकंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राज्य अलास्का में जोरदार भूकंप आया है। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.3 है, जो कि काफी खतरनाक है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसकी जानकारी दी है। भूकंप के बाद अलास्का के लोगों पर एक और खतरा मंडरा रहा है। भयावह भूकंप के कारण अब पूरे इलाके में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। भूकंप इतना तेज था कि धरती डोलने लगी। लोग थर्र-थर्र कांपने लगे और घरों से बाहर निकल सड़क की ओर भागने लगे। यूएसजीएस यानी अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, बुधवार को अमेरिकी राज्य अलास्का के तट पर दोपहर 12 बजकर 37 मिनट पर (लोकल टाइम) 7.3 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र द्वीपीय शहर सैंड पॉइंट से करीब 87 किलोमीटर दक्षिण में स्थित था। भूकंप का केंद्र अपेक्षाकृत कम गहराई पर 20.1 किलोमीटर की गहराई पर था। अलास्का की जनसंख्या करीब 7.5 लाख है। ऐसे में इन लोगों पर सुनामी का खतरा मंडरा रहा है।

यौन शोषण से परेशान महिला ने की आत्महत्या

शारजाह। केरल की एक महिला शादी के बाद यूएई के शारजाह में रहने लगी थी। यहां उसे प्रताडित किया गया। ससुर यौन शोषण करता था और पति मारपीट। अंततः परेशान महिला ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी। केरल की रहने वाली 33 वर्षीय महिला के फेसबुक अकाउंट पर मिला एक सुसाइड नोट इस पूरी घटना की भयावह सच्चाई उजागर करता है, जिसमें उसने पति, ससुर और ननद पर यौन शोषण, दहेज उत्पीड़न और मानसिक यातना जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला द्वारा सोशल मीडिया पर छोड़े गए सुसाइड नोट में ससुराल के लोगों पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सुसाइड नोट के मुताबिक, दहेज की लगातार मांग की जाती थी और मना करने पर पीटा जाता था। पति की मौन सहमति से ससुर द्वारा यौन शोषण किया जाता था। पति अश्लील वीडियो दिखाकर यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालता था। पति कहता था, मैंने तुमसे सिर्फ अपने लिए नहीं अपने पिता के लिए भी शादी की है। गोरे रंग के कारण पति और परिवार द्वारा सिर मुंडवाया गया ताकि वह कम आकर्षक लगे। जब महिला ने पति के दूसरी महिलाओं के साथ संबंध बनाने से इनकार किया तो मासूम बेटी को भी प्रताड़ित किया गया।

प्रतिबंधित संगठन का किशोर सदस्य पकड़ाया

इंफाल। मणिपुर के थौबल जिले से सुरक्षाबलों ने एक प्रतिबंधित संगठन के सदस्य को गिरफ्तार किया है और जिरीबाम में एक अन्य अभियान में सात आग्नेयास्त्र बरामद किए हैं। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का यह सदस्य किशोर है और उसे बुधवार को खोंगजोम पापल इलाके से जबरन वसूली और संगठन में सदस्यों की भर्ती में संलिप्ता के आरोप में पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि उग्रवादी संगठन का यह सदस्य थौबल और बिष्णुपुर जिलों में सक्रिय था। पुलिस ने बताया कि उसके साथ किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बादल फटने से हिमाचल में अब तक109 लोगों की मौत

- लैंडस्लाइड के कारण अमरनाथ यात्रा रुकी
- मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में बारिश से बाढ़ जैसे हालात

एजेंसी

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक 109 लोगों की मौत हुई है। साथ ही भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाओं से 818 करोड़ की सरकारी और निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से अमरनाथ यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड हुई। गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हुई, जबकि तीन घायल हो गए। यात्रा गुरुवार को दिनभर के रोक दी गई है। वहीं मध्य प्रदेश के मऊगंज जिले में लगातार बारिश की वजह से ग्रामीण इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हैं। लोग सामान लेकर सुरक्षित स्थान की ओर जा रहे हैं। वहीं, बिहार के अलग-अलग जिलों में बिजली गिरने से 20 लोगों की मौत हो गई। हालांकि, राज्य में इस सीजन में औसत से 46 प्रतिशत कम बारिश हुई है। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश की चेतावनी के बाद अमरनाथ यात्रा गुरुवार को दिनभर के लिए रोक दी गई। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से पटरियों की तुरंत मरम्मत करने की जरुरत है। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर ने बताया कि दिन में मौसम की स्थिति के आधार पर शुक्रवार से यात्रा फिर शुरू होगी। अब तक 2.47 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। राजस्थान के धौलपुर में पार्वती बांध का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। पानी का स्तर 222.95 मीटर तक पहुंच चुका है, जबकि बांध की भराव क्षमता 223.41 मीटर है। बुधवार को पांच गेट खोलकर 5500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। नदी के करीब निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में हो रही बारिश का असर उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में दिखाई दे रहा है। यहां कनहर बांध का जलस्तर 255.900 मीटर तक पहुंच गया है। इसके चलते बांध के 8 गेट खोलने पड़े हैं। 3200.97 क्यूबिक मीटर प्रति सेकेंड की दर से पानी छोड़ा जा रहा है।

बालटाल मार्ग पर भूस्खलन, एक महिला तीर्थयात्री की मौत

श्रीनगर। गांदरबल जिले में अमरनाथ यात्रा के बालटाल मार्ग पर हुए भूस्खलन में एक महिला तीर्थयात्री की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा कारणों से यात्रा को आज गुरुवार के लिए स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि ऊपरी रेलपथरी के पास जड-मोड़ पर भूस्खलन हुआ, जिससे कई तीर्थयात्री बालटाल मार्ग से नीचे की ओर बह गए जो पवित्र गुफा की ओर जाता है। घायलों को बालटाल बेस कैंप अस्पताल ले जाया गया, जहां पहुंचने पर एक महिला को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक महिला की पहचान राजस्थान निवासी सोना बाई के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि आज जम्मू से पवित्र गुफा की ओर जाने वाले तीर्थयात्रियों के किसी भी नए जत्थे को यात्रा की अनुमति नहीं दी गई है। यात्रा मार्ग पर भूस्खलन और भारी बारिश को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

पांच दिन चले संघर्ष के बाद स्वैदा में सीजफायर

एजेंसी

दमिश्क। दक्षिणी सीरिया में पांच दिनों तक चले संघर्ष के बाद सीरिया ने सीजफायर पर सहमति जताई है। इसके साथ उसने स्वैदा शहर से अपनी सेना को वापस बुलाने का आदेश दिया है। इस बीच सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने ड्रूज नागरिकों और उनके अधिकारों की रक्षा करने को प्राथमिकता बताया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसका ऐलान किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि पिछले सप्ताह के आखिर से चल रहे सांप्रदायिक संघर्ष में शामिल पक्ष युद्धविराम के लिए विशिष्ट कदमों पर सहमत हो गए हैं। इससे भयावह स्थिति का अंत हो जाएगा। इसके लिए सभी पक्षों को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करना होगा और हम उनसे यही अपेक्षा करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दमिश्क पर इजराइली एयरस्ट्राइक के बाद अहमद अल-शरा ने ड्रूज नागरिकों से कहा था कि हम आपको किसी बाहरी पक्ष के हाथों में सौंपने के किसी भी प्रयास का विरोध करते हैं। उन्होंने इजराइल पर निशाना साधते हुए कहा कि हम उन लोगों में से नहीं, जो युद्ध से डरते हैं। हमने अपना जीवन चुनौतियों का सामना करने और अपने लोगों की रक्षा करने में बिताया है, लेकिन हमने सीरिया के लोगों के हितों को अराजकता और विनाश से ऊपर रखा है। अल-शरा ने कहा कि इजराइल हमारी जमीन को अराजकता के अखाड़े में बदलना चाहता है। सीरियाई लोग अपनी गरिमा की खातिर लड़ने को तैयार हैं। हम इस धरती के बच्चे हैं और इजराइल की कोशिशों को नाकाम करने में पूरी तरह सक्षम हैं। हम उन लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए उत्सुक हैं, जिन्होंने हमारे ड्रूज लोगों को नुकसान पहुंचाया। उनके अधिकारों की रक्षा हमारी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। अहमद अल-शरा ने कहा कि इससे स्थिति काफी जटिल हो गई। मामला बड़े पैमाने पर बिगड़ गया, लेकिन अमेरिकी, अरब और तुर्की मध्यस्थता के प्रभावी हस्तक्षेप ने क्षेत्र को एक अज्ञात और अनिश्चित भविष्य से बचा लिया। मिडिल ईस्ट में बीते कुछ सालों से युद्ध छिड़ा हुआ है। बता दें सोमवार से ही इजराइल, सीरिया की सेना को निशाना बनाना शुरू कर दिया था। सीरिया के दक्षिणी शहर स्थित स्वैदा में स्थानीय सुरक्षा बलों और ड्रूज समुदाय के लड़ाकों के बीच झड़प की खबरें सामने आईं थीं, जिसके बाद इजराइल ने सीरियाई बलों को निशाना बनाना शुरू किया। इस झड़प में अब तक सैकड़ों लोग मारे गए।

हरियाणा में 12 घंटे में दो बार आया भूकंप

चंडीगढ़। हरियाणा में गुरुवार दोपहर भूकंप आया। इसका केंद्र झज्जर जिले के गांव दुल्हेड़ा के पास था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.5 मापी गई। इससे पहले रोहतक में बुधवार-गुरुवार देर रात 12:46 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। झटके लगते ही लोगों की नींद खुल गई और वह घरों से बाहर आ गए। हालांकि किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन रात भर डर का माहौल था। जानकारी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 दर्ज की गई। इस भूकंप से जमीन के 10 किलोमीटर नीचे गहराई में हलचल हुई। इसका केंद्र रोहतक का गांव भालौठ के नजदीक का क्षेत्र था। प्रदेश में पिछले 20 दिन में पांच बार भूकंप के झटके महसूस किए गए।

विद्रोहियों के हमले में पाक आर्मी के एक मेजर सहित 20 सैनिकों की मौत

एजेंसी

क्वेटा। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी पर विद्रोहियों के हमले में पाक आर्मी के एक मेजर सहित 20 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत की खबर है। ये हमले बीते 12 घंटों में अवारान, क्वेटा और कलात जिलों में हुए। रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले सैन्य चौकियों को निशाना बनाकर किए गए थे। हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी ग्रुप ने नहीं ली है, लेकिन इसमें फितना अल हिंदुस्तान और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के शामिल होने का शक है। वहीं, बलूचिस्तान के कालात में एक यात्री बस पर हमला हुआ, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावरों ने क्वेटा-कराची हाईवे पर नेमार्ग इलाके में घात लगाकर बस को रोका और अंधाधुंध गोलीबारी की। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि सुरक्षा बलों और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने सड़क के दोनों ओर से हमला किया। मुख्यमंत्री मिर्जा सरफराज बुगती ने इस हमले की निंदा की और इसे फितना अल हिंदुस्तान आतंकी संगठनों का काम बताया। उन्होंने कहा कि निर्दोष नागरिकों पर हमला गंभीर अपराध है। यह हमला उस दिन हुआ जब सुरक्षा बलों ने अवारन इलाके में फितना अल हिंदुस्तान से जुड़े तीन आतंकवादियों को मार गिराया। इसमें पाकिस्तानी सेना का एक अधिकारी मेजर सैयद रब नवाज तारिक मारा गया।

पृष्ठ एक के शेष....

रोडरेज में इनोवा...

तीनों युवकों ने विष्णु की जमकर पिटाई की। पिटाई से विष्णु बेहोश होकर जमीन पर गिर गया और इसके बाद आरोपी अपनी कार से फरार हो गए। मौके से गुजर रहे राहगीरों ने विष्णु को उठाकर अस्पताल पहुंचाया जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी कार सवार युवकों की तलाश की जा रही है।

हनी ट्रैप में फंस ...

लड़ने के लिए तैयार हो गए। इस दौरान महिला ने फोन पर किसी व्यक्ति से कहा कि जिसके बच्चे नहीं होते हैं वह उनके बच्चे करा देती है। उसे प्रभु ईसा मसीह ने वरदान दिया हुआ है। इस पर उनके चेंबर में बैठे कुछ अधिवक्ताओं ने कहा कि विनोद की पत्नी को 4 वर्ष से बच्चा नहीं हुआ है। अगर उनके बच्चे हो जाएं तो वह उसकी बात को सही मान लेंगे।

अधिवक्ता के मुताबिक एक दिन नीतू ने उसे केस के बारे में डिस्कस करने के बहाने अपने घर बुलाया। नीतू ने बताया कि उसने जब चर्च में प्रार्थना की तो उसे दिखाई दिया कि उसके ऊपर एक शैतान का साया है इसी कारण उसकी पत्नी के बच्चे नहीं हो रहे हैं। इस दौरान नीतू ने उसे पीने के लिए कोल्डड्रिंक दी। कोल्ड ड्रिंक पीते ही उसका सर घूमने लगा और आंखों के सामने अंधेरा छा गया। कुछ समय बाद जब उसे होश आया तो वह जमीन पर पड़ा हुआ था। अधिवक्ता के मुताबिक महिला ने कहा कि उसे पूरी तरह से ठीक होने के लिए तीन-चार बार और आना पड़ेगा। इसके बाद ही उसके ऊपर से शैतान का साया निकलेगा। इसके बाद महिला ने उसे कई बार अपने घर बुलाया। घर पर आते ही वह उसे कुछ खाने को दे देती थी और तंत्र-मंत्र पढ़ना शुरू कर देती थी। जिसके बाद उसकी आंखों के सामने अंधेरा सा छा जाता था। इसके बाद महिला ने कुछ पुलिसकर्मियों पर बलात्कार का केस दर्ज करने को कहा। जिस पर उसने निर्दोष व्यक्ति को फंसाने से इनकार कर दिया। इसके बाद यह महिला उसके चेंबर में आई और बहाने से उसे एक केला खिला दिया जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। अधिवक्ता विनोद के मुताबिक इस बात की जानकारी मिलने पर कुछ अधिवक्ताओं ने उक्त महिला का विरोध किया जिसके बाद महिला ने उल्टा उसके ही खिलाफ झूठे आरोप लगाने शुरू कर दिए और धमकी दी कि अगर वह उनका केस नहीं लड़ेंगे तो वह उन्हें किसी भी झूठे केस में फंसा देगी या फिर आत्महत्या कर लेगी।

अधिवक्ता का कहना है कि नीतू नामक महिला उसके साथ हनी ट्रैप कर उसे 5 लाख रुपए की डिमांड कर रही है। पैसे ना देने पर उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रही है। महिला का कहना है कि उसके मोबाइल फोन में उसकी फोटो व वीडियो है जिन्हें वह वायरल कर उसे बदनाम कर जेल भिजवा देगी। अधिवक्ता ने बताया कि उसने इस संबंध में पुलिस में भी शिकायत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उसने न्यायालय में महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के बाद न्यायालय ने थाना सूरजपुर पुलिस को महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

यूट्यूब चैनल पर नामी...

उन्होंने बताया कि कंपनी द्वारा माइंडफुल फैक्ट्स चैनल के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए 26 मई 2024 को यूट्यूब से भी शिकायत की गई थी यूट्यूब द्वारा उक्त चैनल के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया गया लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है और ना ही चैनल को ब्लॉक किया गया है। इस संबंध में कंपनी की तरफ से 11 जुलाई 2024 को थाना सेक्टर-63 में शिकायती पत्र दिया गया था लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात थाना सेक्टर-63 पुलिस को उक्त यूट्यूब चैनल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं थाना प्रभारी का कहना है कि न्यायालय के निर्देश पर मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

प्राधिकरण के जन स्वास्थ्यविभाग...

ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, खंड-1 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल तथा खंड-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक आरके शर्मा के अलावा सभी स्वास्थ्य निरीक्षक, जूनियर इंजीनियर तथा जन स्वास्थ्य विभाग में लगे एक-एक सफाईकर्मियों को इसका श्रेय जाता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी से लेकर सफाईकर्मी तक सभी इस उपलब्धि के लिए बधाई के पात्र हैं।

डॉ लोकेश एम ने कहा कि सभी नोएडावासी तथा प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी इस उपलब्धि को बरकरार रखने तथा और भी आगे स्थान हासिल करने के लिए निरंतर पूर्व की तरह कार्य करते रहें तथा इस शहर को स्वच्छ शहर बनाने में सहयोग करें।

इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम के अलावा एसीईओ वंदना त्रिपाठी, एसीईओ संजय खत्री, ओएसडी क्रांति शेखर, महेंद्र प्रसाद, महाप्रबंधक अशोक कुमार अरोड़ा, जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, प्रबंधक गौरव बंसल, आरके शर्मा, ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, वर्क सर्किल-2 के वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह, वर्क सर्किल-8 के प्रबंधक अनिल कुमार आदि कई अधिकारी मौजूद थे।

पिकअप का पीछा कर...

और बदमाशों को घेर लिया। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जबकि इसके दो साथी भाग निकले। घायल बदमाश की पहचान बबलू उर्फ अजय निवासी बिहार के रूप में हुई। पकड़ा गया बदमाश हाल में कुंडा कॉलोनी भंगेल में रह रहा है। इसके पास से तमंचा, कारतूस बरामद हुए। उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाश के दो अन्य साथी जाहर व इब्राहिम को भी पुलिस ने कांबिंग के दौरान गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से बोलोरो पिकअप, चाकू, 22 प्रोप जैक शटरिंग पाइप बरामद हुए। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि तीनों बदमाश शातिर किस्म के अपराधी हैं और निर्माणाधीन साइटों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पकड़े गए बदमाशों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है।

नोएडा प्राधिकरण के...

की नियुक्ति कर दी गई है। राजेंद्र सिंह पर एक्सप्रेसवे में एक टेंडर घोटाले का आरोप लगा था तथा उन्हें सीईओ ने इस पद से हटा कर कार्मिक विभाग से संबंध कर दिया था। राजेंद्र सिंह पर टेंडर को लेकर कई गंभीर आरोप लगे थे तथा नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने उनके निलंबन के लिए शासन को संस्तुति भी की थी। लेकिन इस बीच न जाने किस राजनीतिक जुगाड़ तथा दबाव में राजेंद्र सिंह की नोएडा प्राधिकरण में उद्यान विभाग में उपनिदेशक के पद पर पुन: नियुक्ति कर दी । इसको लेकर नोएडा प्राधिकरण में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

ट्रांसफार्मर में तेल...

के साथ बीती रात्रि संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने एक कार को रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखकर कार सवार दुजाना चौकी से तिमुही पुलिया की तरफ भाग निकले। पुलिस द्वारा पीछा करने पर बदमाशों ने अपनी कार को कच्चे रास्ते पर उतार दिया। यहां पर उनकी कार कीचड़ में फंस गई। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया जबकि इसका दूसरा साथी फरार हो गया।

एडीसीपी ने बताया कि घायल बदमाश की पहचान महबूब पुत्र सलीम निवासी नई बस्ती कॉलोनी थाना नंदग्राम गाजियाबाद के रूप में हुई। इसके पास से तमंचा कारतूस व एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद हुई। कार से बीते दिनों बिजली के ट्रांसफार्मर से चोरी की गई एक क्राइल व एंगल बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शातिर किस्म का बदमाश है और यह अपने साथियों के साथ मिलकर ट्रांसफार्मर से कीमती सामान व तेल आदि चोरी करने की घटना को अंजाम देता है। पकड़े गए बदमाश पर तीन मुकदमे पंजीकृत हैं। पुलिस इसके फरार साथी की तलाश कर रही है।

रेस्टोरेंट में लाईसेंस बिना परोसी शराब, टीम को देख भागे शराबी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-115 सौरखा में स्थित चिल हाउस रेस्टोरेंट में आबकारी विभाग टीम की छापेमारी से रेस्टोरेंट में जाम छलका रहे शराबियों में हड़कंप मच गया। रेस्टोरेंट में शराब पी रहे लोग टीम को देखकर भाग निकले। रेस्टोरेंट में बिना एफ एल 11 ऑकेजनल बार लाइसेंस के अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही थी। आबकारी विभाग की टीम ने रेस्टोरेंट से बियर भी बरामद की हैं। आबकारी विभाग ने रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ थाना 113 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सर्किल 2 के आबकारी निरीक्षक संजय कुमार को मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-115 सौरखा में स्थित चिल हाउस रेस्टोरेंट में बिना एफ एल 11 ऑकेजनल बार लाइसेंस के लोगों को अवैध रूप से शराब पिलाई जा रही है। सूचना के आधार पर आबकारी निरीक्षक ने टीम के साथ रेस्टोरेंट में छापा मारा छापेमारी के दौरान रेस्टोरेंट में लोग टेबल पर बैठकर शराब पीते हुए दिखाई दिए। आबकारी विभाग की टीम को देखकर रेस्टोरेंट में हड़कंप बच गया और शराब पी रहे लोग भाग निकले। आबकारी विभाग की टीम ने रेस्टोरेंट के काउंटर पर बैठे रंजीत कुमार निवासी मकनपुर थाना इंदिरापुरम जनपद गाजियाबाद को हिरासत में ले लिया रेस्टोरेंट की तलाशी लेने पर काउंटर में रखी बियर की भरी व खाली कैन बरामद हुई।

पूछताछ करने पर रंजीत ने बताया कि वह रेस्टोरेंट में आने वाले ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बीयर व शराब बेचकर उन्हें पीने की जगह उपलब्ध कराता है। आबकारी विभाग की टीम ने रंजीत से जब एफ एल 11 ऑकेजनल बार लाइसेंस मांगा तो वह दिखा नहीं पाया। आबकारी निरीक्षक की शिकायत पर थाना सेक्टर 113 पुलिस ने रंजीत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

श्री शिव महापुराण में मैया पार्वती के लिए सोने के महल का वर्णन सुनाया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-20 में श्री हनुमान मंदिर में शांभवी महामुद्रा द्वारा आयोजित श्री शिव महापुराण की कथा के सातवें दिन में कथा वाचिका कनक लता कनक ने बताया कि माता पार्वती की विदा करवाकर जब भोले नाथ मैया पार्वती को राजा हिमालय के यहां से अपने कैलाश पर्वत पर लेकर चले हैं तो उस समय पिता हिमालय कैसे फूट-फूट कर रोए हैं। यह प्रसंग इतना मार्मिक था कि उपस्थित सभी स्त्री-पुरुष अपने आंखों के आंसुओं को रोक नहीं सके और उसके बाद जब माता कैलाश पर्वत पर पहुंची हैं तो छोटी सी कुटिया देखकर भोले नाथ से कहा इस छोटी सी कुटिया में कैसे रहूंगी। तब भोले नाथ मैया को लेकर भगवान विष्णु जी के यहां वैकुंठ धाम जाते हैं और कहते हैं कि देख लो तुम्हें कैसा घर चाहिए और उसके बाद शिव जी विश्वकर्मा जी को बुलाते हैं और उनकी इच्छानुसार सुंदर सोने का भवन बनवाते हैं।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, अंतराष्ट्रीय वैश्य संगठन के अध्यक्ष विनय

अग्रवाल, जेएम गुप्ता, अध्यक्ष सुधीर पोरवाल, राज कुमार अग्रवाल, रवि पोरवाल,डॉ शैलेंद्र पोरवाल, मनोज पोरवाल, मनोज गोयल साइकिल वाले,नवीन पोरवाल, राजू पोरवाल, धर्मवीर बंसल, जितेन्द्र अग्रवाल,अमित पोरवाल, संदीप पोरवाल, लवकेश गोयल, संजीव गुप्ता, राकेश खंडेवाल, दिलीप वैश्य, यश गुप्ता, अनिकेत मिश्रा, विनय गुप्ता, साधना पवार, मुकेश, आशा गुप्ता, रूबी गुप्ता, सीमा गोयल, मधु वैश्य नीलम पोरवाल, स्वाती पोरवाल, निशा पोरवाल, हेमा पोरवाल, सुजाता पोरवाल, डौली पोरवाल, सीमा गुप्ता, आशा गुप्ता, तृप्ता सिंह,मीरा वर्मा, ज्योति पोरवाल, माधुरी पोरवाल, मोहिनी पोरवाल, रमेश पवार आदि बहुत माताओं बहिनों भईयों ने अमृत कथा का श्रवण किया।

स्वच्छता ही सेवा के तहत लगाए पौधे

नोएडा (चेतना मंच)। जन शिक्षण संस्थान गौतमबुद्धनगर, प्रायोजित कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जन शिक्षण संस्थान के उपकेंद्र गांव दौला राजपुरा विकासखंड जेवर में संस्थान द्वारा स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत पौधारोपण का आयोजन किया गया।

जन शिक्षण संस्थान गौतमबुद्धनगर के अध्यक्ष वीरेंद्र कावड़िया एवं एल.आर. पब्लिक स्कूल के प्रबंधक अकिल खान द्वारा पौधारोपण किया गया एवं सभी लाभार्थियों से भी एक-एक पौधा रोपण एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत कराया गया। संस्थान के अध्यक्ष ने सभी को अपने संबोधन के माध्यम से स्वच्छता अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि पृथ्वी, जल, वायु को प्रदूषित होने से बचाना होगा नहीं तो आने वाली पीढ़ी को बहुत से संकटों का सामना करना पड़ेगा। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मोहम्मद अकील खान - प्रबंधक एल. आर . पब्लिक स्कूल रहे।

कार्यक्रम में वीरेंद्र कुमार निदेशक जन

शिक्षण संस्थान, मौली जेकब लेखाकार, राधेश्याम क्लर्क, ओमप्रकाश क्षेत्र सहायक, एवं गुलफाम अली, वसीम खान, संगीता, संस्थान के लाभार्थीगण सम्मानित ग्रामीणजन सहित 116 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

खास खबर

शास्त्री ने खिलाडियों की एकाग्रता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । भारतीय टीम की इंग्लैंड से हारने के बाद पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने टीम की रणनीति और बल्लेबाजों की एकाग्रता पर सवाल उठाए हैं। पूर्व बल्लेबाज शास्त्री ने इस मैच के दो खास टर्निंग प्वाइंट्स बताए और कहा कि इन्हीं पलों ने इंग्लैंड की जीत का रास्ता साफ किया। रवि शास्त्री ने कहा कि उनके हिसाब से पहला निर्णायक मोड़ ऋषभ पंत का पहली पारी में रनआउट होना था। पंत उस समय 74 रन पर शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और भारत मजबूत स्थिति में दिख रहा था। बेन स्टोक्स की कप्तानी की तारीफ करते हुए शास्त्री ने कहा कि लंच से ठीक पहले पंत को रनआउट कराना इंग्लैंड के लिए बहुत अहम रहा। उन्होंने कहा कि अगर पंत टिके रहते तो भारत पहली पारी में अच्छी बढ़त हासिल कर लेता और इंग्लैंड दबाव में आ जाता। दूसरा बड़ा टर्निंग प्वाइंट शास्त्री ने करुण नायर का विकेट बताया। चौथे दिन भारत ने दूसरी पारी में 1 विकेट पर 41 रन बना लिए थे और मैच भारत की पकड़ में नजर आ रहा था।

आईसीसी ने इंग्लैंड टीम के काटे अंक

लंदन । इंग्लैंड की टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बड़ा झटका दे दिया। धीमी ओवर गति के चलते इंग्लैंड पर न केवल मैच फीस का जुमार्ना लगाया गया, बल्कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका में उसके दो अंक भी काट दिए गए। इस फैसले के बाद इंग्लैंड पूर्व क्रिकेटर माइकल वॉन ने नाराजगी जाहिर करते हुए आईसीसी के निर्णय पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, ईमानदारी से कहूं तो लॉर्ड्स टेस्ट में दोनों टीमों की ओवर गति खराब थी। सिर्फ एक टीम को सजा देना मेरी समझ से परे है। वॉन का मानना है कि आईसीसी को निष्पक्ष कार्रवाई करनी चाहिए थी। आईसीसी की ओर से जारी बयान के अनुसार, मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने पाया कि इंग्लैंड ने निर्धारित समय में दो ओवर कम फेंके थे। इस पर खिलाड़ियों की मैच फीस का 10 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया और प्रत्येक ओवर के लिए एक-एक अंक डब्ल्यूटीसी तालिका से काट लिया गया।

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली। वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन (वीडीएचएम) का ऐतिहासिक 20वां संस्करण इस साल 12 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। हाफ मैराथन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुरू होगा। वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस का दर्जा प्राप्त यह इवेंट न केवल फिटनेस का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक बदलाव और महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी एक बड़ी पहल है। प्रोकेम इंटरनेशनल की ओर से आयोजित इस प्रतिष्ठित मैराथन के लिए रजिस्ट्रेशन 17 जुलाई से शुरू होंगे। 2005 में शुरू हुए इस आयोजन ने भारत को एक दर्शक देश से सहभागी राष्ट्र में बदला है। आज यह दौड़ उत्तर भारत में रनिंग कल्चर को बढ़ावा देने के साथ-साथ 800 से अधिक भारतीय एथलीटों को मंच प्रदान कर चुकी है, जिनमें से 45 ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है।

भारत ने इंग्लैंड को पहले वनडे में 4 विकेट से हराया

एजेंसी

साउथैम्पटन । भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरूआत की है। साउथैम्पटन में खेले गए पहले मैच में टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 259 रनों का स्कोर 49वें ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत की नायिका रहीं दीप्ति शर्मा, जिन्होंने मुश्किल समय में संयम भरी बल्लेबाजी करते हुए 62 रनों की अहम पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। मैच की शुरूआत इंग्लैंड की

कप्तान नैट साइवर ब्रंट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करके की, लेकिन टीम को शुरूआत में झटका लगा जब 20 रन तक पहुंचते-पहुंचते दोनों सलामी बल्लेबाज पवेलियन लौट चुके थे। इसके बाद सोफिया डंकली ने 92 गेंदों पर 83 रन की शानदार पारी खेली। डेविडसन रिचर्ड्स ने 53 रन जोड़े, जबकि कप्तान साइवर ब्रंट ने 41 रनों का योगदान दिया। इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 258 रन बनाए। भारत के लिए क्रांति गौड और स्नेह राणा को दो-दो विकेट मिले, जबकि अमनजोत कौर और श्री चरणी ने एक-एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरूआत सधी हुई रही। स्मृति मंधाना ने 28 रन बनाए, जबकि जेमिमा रॉड्रिग्स ने 48 रनों की उपयोगी पारी खेली। प्रतिका रावल ने 36 रन जोड़े और हरलीन देओल ने 27 रन बनाकर टीम की जीत में सहयोग दिया।

जैक क्रॉउली के टीम से बाहर जाने का समय आ गया : जेफ्री बॉयकॉट

एजेंसी

लंदन । भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का रोमांच चरम पर है। शुरूआती तीनों टेस्ट मुकाबले पूरे पांच दिन तक चले, जिससे क्रिकेट प्रेमियों को टेस्ट क्रिकेट का भरपूर आनंद मिला। मेजबान इंग्लैंड ने पहला और तीसरा टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है, जबकि भारत ने दूसरा टेस्ट अपने नाम किया था। तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स में खेला गया और बेहद करीबी रहा, जिसमें भारत महज 22 रन से हार गया। हालांकि इंग्लैंड की जीत के बावजूद टीम के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉउली के खराब प्रदर्शन पर सवाल खड़े हो गए हैं। मौजूदा सीरीज में क्रॉउली का औसत केवल 21.33 रहा है और तीन मैचों में उन्होंने कुल 128 रन ही बनाए हैं। पहले टेस्ट में हेडिंग्ले में उन्होंने 65 रन बनाए थे, लेकिन

उसके बाद उनके स्कोर 19, 0, 18 और 22 ही रहे। उनके लगातार कमजोर प्रदर्शन को लेकर इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सर जेफ्री बॉयकॉट ने उन्हें टीम से बाहर करने की मांग की है। बॉयकॉट ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि क्रॉउली ने 57 टेस्ट खेलने के बावजूद कुछ नहीं सीखा है और वे बार-बार एक ही तरीके से आउट हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब उनके जाने का समय आ गया है। बॉयकॉट ने यह भी जोड़ा कि विपक्षी गेंदबाज उनकी कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए तैयार बैठे रहते हैं।

एफसी सिनसिनाटी ने इंटर मियामी को 3-0 से हराया

एजेंसी

ओहियो (यूनाइटेड स्टेट)। एफसी सिनसिनाटी के स्टार मिडफील्डर एवेंडर ने लगातार पांचवें मैच में गोल करते हुए क्लब रिकॉर्ड बनाया और अपनी टीम को इंटर मियामी के खिलाफ 3-0 की बड़ी जीत दिलाई। यह मुकाबला बुधवार देर रात (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को सिनसिनाटी के घरेलू मैदान टीक्यूएल स्टेडियम में खेला गया। दूसरे हाफ की शुरूआत में एवेंडर ने बॉक्स के बीच से बाएं पैर से शानदार शॉट मारते हुए गेंद को गोलपोस्ट के निचले दाएं कोने में पहुंचाया और टीम की बढ़त 2-0 कर दी। यही नहीं, एवेंडर ने इस हाफ में दूसरा गोल भी किया, जबकि पहले हाफ में उनकी कई

कोशिशें नाकाम रही थीं। इन दो गोलों के साथ एवेंडर के एमएलएस रेगुलर सीजन में कुल 15 गोल हो गए हैं। इस जीत के साथ एफसी सिनसिनाटी (14 जीत, 6 हार, 3 ड्रॉ झ 45 अंक) ने मियामी की लगातार 5 जीत की लय को तोड़ते हुए उन्हें 18 मई के बाद पहली बार हार का स्वाद चखाया। सिनसिनाटी की दमदार डिफेंस और गोलकीपर रोमन सेलेनटानो के प्रदर्शन ने मियामी के हमलों को पूरी तरह विफल कर दिया। मैच का पहला गोल 16वें मिनट में गेरार्डो वैलेनजुएला ने किया। उन्होंने बॉक्स के बाएं किनारे से बाएं पैर से शॉट लगाते हुए गेंद को निचले दाएं कोने में पहुंचाया। यह उनका इस सीजन का चौथा गोल था। पहले हाफ में सिनसिनाटी का दबदबा साफ दिखा। टीम ने 45 मिनट और 6 मिनट के इंजरी टाइम में कई बार बॉक्स में प्रवेश किया और गोल की कोशिशें कीं। सिनसिनाटी ने पहले हाफ में 7 शॉट्स (4 ऑन टारगेट) और पूरे मैच में कुल 11 शॉट्स (6 ऑन टारगेट) लिए। दूसरी ओर, इंटर मियामी (11 जीत, 4 हार, 5 ड्रॉ 38 अंक) की आक्रामक रणनीति को सिनसिनाटी की बैकलाइन ने पूरी तरह से निष्क्रिय कर दिया। सुपरस्टार लियोनेल मेसी के दो प्रयास भी गोल में नहीं बदल पाए।

हेटमायर ने एक ओवर में लगाए 5 छक्के

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल सुपर लीग 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में शिमरन हेटमायर ने बल्ले से ऐसी तबाही मचाई कि मैच का रुख ही बदल गया। गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में गुयाना ऐमजॉन वॉरियर्स ने होबार्ट हरिकेंस को हराकर फाइनल में जगह बना ली। हेटमायर ने 10 गेंदों में 39 रन की विस्फोटक पारी खेली और एक ओवर में 5 छक्के लगाकर सभी को हैरान कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए होबार्ट की टीम 16.1 ओवर में महज 125 रन पर सिमट गई थी। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुयाना की शुरूआत भी कुछ खास नहीं रही

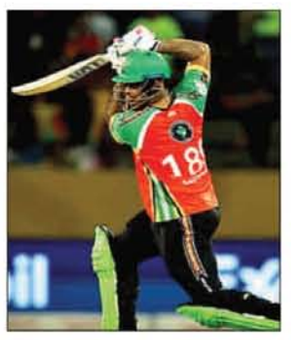

और 9 ओवर में उसका स्कोर 43/3 था। सेमीफाइनल जैसे अहम मुकाबले में जब 72 गेंदों में 82 रन चाहिए हों, तो दबाव साफ दिखता है, लेकिन हेटमायर के इरादे कुछ और थे। वो 10वें ओवर की शुरूआत में बल्लेबाजी के लिए आए और फैबियन एलेन के ओवर में ही मैच पलट दिया। हेटमायर ने पहली गेंद को लॉन्ग ऑन के ऊपर से सिक्स के लिए भेजा। दूसरी गेंद पर ओडीन स्मिथ ने उनका कैच छोड़ा, और गेंद बाउंड्री पार जा गिरी। अगली दो गेंदों पर उन्होंने लगातार दो और छक्के जड़े। पांचवीं गेंद पर उन्होंने दो रन लिए और फिर आखिरी गेंद को भी छक्के में बदल दिया। इस तरह एलेन के एक ओवर में 32 रन आए, जिसमें हेटमायर ने 5 सिक्स जड़े। उनकी इस धमाकेदार पारी में कुल 6 छक्के शामिल थे। हालांकि उन्हें उसामा मीर ने आउट किया, लेकिन तब तक मैच गुयाना के पक्ष में पूरी तरह झुक चुका था।

ओलंपिक में स्वर्ण पर रहेंगी भारतीय क्रिकेट टीम की नजरें

एजेंसी

लॉस एंजिल्स । अगामी 2028 लॉस एंजिल्स में भारतीय टीम क्रिकेट में स्वर्ण पदक की सबसे बड़ी दावेदार होगी। भारतीय टीम एशियाई खेलों की विजेता है और अब उसका लक्ष्य ओलंपिक में भी जीत दर्ज करना रहेगा। ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल के बाद वापसी हो रही है। जिससे आईसीसी सहित पूरा क्रिकेट जगत उत्साहित है। आईसीसी का मानना है ओलंपिक में शामिल होने से दुनिया भर में क्रिकेट का प्रचार-प्रसार होगा। बहरहाल ओलंपिक में होने वाले क्रिकेट मुकाबले लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोमेना शहर के फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में 12 जुलाई को शुरू होंगे। ओलंपिक में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप टी20 प्रारुप में ही मैच होंगे। इसमें

पदक मैच 20 और 29 जुलाई, 2028 को खेले जाएंगे। इसमें पुरुष और महिला वर्ग में कुल छह-छह टीमें और 180 खिलाड़ी भाग लेंगे। प्रतियोगिता के कार्यक्रम के अनुसार अधिकतर दिन दो मैच खेले जाएंगे जबकि 14 और 21 जुलाई को कोई मैच नहीं खेला जाएगा। ओलंपिक में इससे पहले केवल एक बार 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था, उसमें तब केवल दो टीमें ब्रिटेन और फ्रांस ही शामिल हुई थी।

जितेश शर्मा अब प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करेंगे वापसी

नई दिल्ली। विदर्भ और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा आगामी घरेलू सत्र में बड़ौदा का प्रतिनिधित्व करेंगे। 31 वर्षीय जितेश ने 2024-25 रणजी ट्रॉफी में विदर्भ के लिए एक भी मैच नहीं खेला था और कप्तान व पहली पसंद विकेटकीपर अक्षय वाडकर के पीछे दूसरे विकल्प के तौर पर रहे। हालांकि वह करुण नायर की कप्तानी में सीमित ओवरों के प्रारूप में विदर्भ टीम का हिस्सा बने रहे। बड़ौदा में उनके स्थानांतरण की चर्चा काफी समय से चल रही थी और माना जा रहा है कि बड़ौदा के कप्तान क्रुणाल पांड्या से उनके करीबी संबंधों ने इस बदलाव को सहज बना दिया। क्रुणाल और जितेश ने हाल ही में आरसीबी के लिए साथ खेला था और टीम की पहली आईपीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं : केएल राहुल

एजेंसी

लंदन । भारत को लॉर्ड्स टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इस मैच में बल्लेबाजों की जुझारू पारियों ने फैंस का दिल जीत लिया। खासकर केएल राहुल, जिन्होंने दोनों पारियों में शानदार प्रदर्शन किया और मैच के बाद एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, कुछ मैच जीत या हार से बढ़कर होते हैं। वे आपके जज्बे और आपके चरित्र की परीक्षा लेते हैं, और ऐसे मैचों से मिली सीख आपको और मजबूत बनाती है। राहुल ने लॉर्ड्स टेस्ट की पहली पारी में 100 रनों की शानदार पारी खेली और वह लॉर्ड्स ऑनर्स बोर्ड पर एक से अधिक बार नाम दर्ज कराने वाले केवल दूसरे भारतीय बन गए। मौजूदा सीरीज में

राहुल अब तक छह पारियों में 375 रन बना चुके हैं, जिसमें दो शतक और एक अर्धशतक शामिल है। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 12 टेस्ट की 24 पारियों में 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक शामिल हैं। मैच की बात करें तो शुरूआत में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी, लेकिन जल्दी ही उनके दो विकेट गिर गए। इसके बाद जो रूट और ओली पोप की साझेदारी ने पारी को संभाला और फिर निचले क्रम में ब्रायडन कार्स और जेमी स्मिथ की तेजतर्रार पारियों ने इंग्लैंड को 387 के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट लेकर बेहतरीन प्रदर्शन किया। भारत की पहली पारी में जायसवाल जल्दी आउट हो गए, लेकिन करुण नायर और फिर केएल राहुल व ऋषभ पंत ने टीम को मजबूती दी। राहुल ने 100 और पंत ने 74 रन बनाए। निचले क्रम में जडेजा के 72 और अन्य योगदानों से भारत भी 387 तक पहुंच गया। इंग्लैंड की दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर ने 4 विकेट लेकर उन्हें 192 पर समेटा, जिससे भारत को 193 रनों का लक्ष्य मिला। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का स्कोर 82/7 हो गया। रवींद्र जडेजा ने नाबाद 61 रन बनाकर उम्मीद जगाई लेकिन मोहम्मद सिराज का दुर्भाग्यपूर्ण आउट होना निर्णायक साबित हुआ। भारत 170 पर ऑलआउट हो गया और 22 रन से हार गया। यह हार सीरीज में भारत को 1-2 से पीछे ले गई, लेकिन खिलाड़ियों के संघर्ष और भावना ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

पंत बेहद रोमांचक खिलाड़ी हैं : जैक रसेल

एजेंसी

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज जैक रसेल ने भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि पंत एक बेहद रोमांचक खिलाड़ी हैं, जिनका खेल दर्शकों को बांधे रखता है, लेकिन उनकी विकेटकीपिंग तकनीक में कुछ सुधार की जरूरत है। रसेल का कहना है कि पंत चाहे बल्लेबाजी कर रहे हों या विकेट के पीछे खड़े हों, उन्हें देखना हमेशा मनोरंजक होता है। वह इस बात से भी बेहद खुश हैं कि भयानक कार दुर्घटना के बाद पंत ने मैदान पर सफल वापसी की है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा

कि पंत की विकेटकीपिंग में कुछ तकनीकी कमजोरियां हैं, जिन पर उन्हें काम करना होगा, विशेष रूप से स्टंप के पास खड़े होकर कीपिंग करते समय। 61 वर्षीय रसेल ने बताया कि वह खुद एलन नॉट और बॉब टेलर जैसे कीपरों को आदर्श मानते थे, लेकिन भारतीय विकेटकीपर सैयद किरमानी को देखकर भी उन्होंने बहुत कुछ सीखा। उन्होंने कहा कि जब वह छोटे थे, तब किरमानी को देखकर लगता था कि वे बेहतरीन विकेटकीपर हैं। मौजूदा दौर के कीपरों पर बात करते हुए रसेल ने इंग्लैंड के जैमी स्मिथ की भी तारीफ की और उन्हें भविष्य का महान विकेटकीपर बताया। उनके अनुसार, स्मिथ में इतनी प्रतिभा है कि उन्हें एडम गिलक्रिस्ट की श्रेणी में रखा जा सकता है। रसेल ने यह भी कहा कि विकेटकीपिंग में गलतियां होना सामान्य है, क्योंकि ज्यादातर विकेटकीपर उनसे नहीं बच पाते। खासकर इंग्लैंड जैसी परिस्थितियों में विकेट कीपिंग करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। पंत की तकनीकी गलतियों को लेकर उन्होंने कहा कि ये बड़ी खामियां नहीं हैं, बल्कि कुछ छोटी बातें हैं जिन्हें सुधारकर वह और बेहतर हो सकते हैं।

मेहदी हसन ने तोड़ा हरभजन सिंह का रिकॉर्ड

एजेंसी

कोलंबो । टी20 मुकाबले में बांग्लादेश ने श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। इस मैच में स्पिनर मेहदी हसन ने जबरदस्त प्रदर्शन कर क्रिकेट इतिहास में खास उपलब्धि हासिल की। उन्होंने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में मेहमान गेंदबाज द्वारा किया गया सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन दर्ज किया और भारत के पूर्व दिग्गज हरभजन सिंह का 13 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। मेहदी ने अपने चार ओवर के स्पेल में मात्र 11 रन देकर चार विकेट लिए, जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल रहा। इससे पहले हरभजन सिंह ने 2012 के टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ दो

मेडन सहित 12 रन देकर चार विकेट चटकाए थे। हालांकि, इस मैदान पर सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड अब भी वानिंदू हसरंगा के नाम है, जिन्होंने 2021 में भारत के खिलाफ 9 रन देकर चार विकेट लिए थे। तीसरे मैच में मेहदी हसन ने खेलते हुए श्रीलंका के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने पहले ही ओवर में कुसल परेरा को आउट कर शुरूआती झटका दिया। इसके बाद दिनेश चंदीमल और कप्तान चरिथ असलंका को पवेलियन भेजा। अंत में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले पथुम निसांका को भी उन्होंने अपना शिकार बनाया, जिन्होंने 39 गेंदों में 46 रन बनाए। इस प्रदर्शन के साथ मेहदी हसन टी20 इंटरनेशनल में 50 या उससे अधिक विकेट लेने वाले पांचवें बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि शाकिब अल हसन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद और शोरफुल इस्लाम ने हासिल की थी।

64वीं राज्यस्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन

एजेंसी

रांची । 64वीं राज्यस्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का आज भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह रांची के खेलगांव स्थित प्रैक्टिस मैदान में आयोजित हुआ। उद्घाटन समारोह में राज्य सरकार के माननीय स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री रामदास सोरेन, कांके के माननीय विधायक सुरेश बैठा, रामगढ़ की विधायक ममता देवी, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के आप्त सचिव अजय कुमार सिन्हा, आप्त सचिव उज्जवल मिंज, जेईपीसी के प्रशासी पदाधिकारी सचिदानंद दि. तिग्गा, झारखंड फुटबॉल संघ के महासचिव गुलाम रब्बानी, झारखंड ओलिंपिक संघ के कोषाध्यक्ष शिवेंद्र नाथ दुबे,

विधायक प्रतिनिधि सोना राम सोरेन, कालीपदों गोहराई, सोमेश सोरेन समेत सभी प्रखंडों से चयनित खिलाड़ी शामिल हुए। मंच संचालन चंद्रदेव सिंह और जय होरो ने किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए विभागीय मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि सुब्रतो मुखर्जी जी ने विद्यालय स्तर से फुटबॉल खेलना शुरू किया। आज उनकी उपलब्धि हमें सीख देती है। राज्य के विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चो के खेल कूद और शारीरिक विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है। श्री सोरेन ने कहा कि खेल कूद के साथ साथ संस्कृति भी जरूरी है, इसीलिए पढ़ाई के साथ खेल और संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार ने इसके लिए बेहतरीन खेल नीति बनाई है और खेल शिक्षकों की नियुक्ति की गयी है। उन्होंने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, पटमदा की बैंड टीम की सराहना की। माननीय मंत्री ने कहा कि छात्रों को शिक्षा के साथ सरकार मौका भी दे रही है। पहले हम रोजगार के लिए केवल शिक्षा पर निर्भर रहते थे, मगर अब खेल और संस्कृति भी रोजगार पाने का अवसर बन गया है। राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मान राशि देने का काम हो रहा है। रिटायरमेंट लेने वाले या बीमारी से ग्रस्त खिलाड़ियों को सहयोग राशि दी जा रही है। समारोह को संबोधित करते हुए माननीय विधायक सुरेश बैठा ने कहा कि खेलो से उनका गहरा जुड़ाव है। स्कूलों में खेल शिक्षक नहीं होने से छात्रों में खेल कौशल का समुचित विकास नहीं हो रहा था। मुख्यमंत्री ने खेल शिक्षकों की नियुक्ति का फैसला लिया, और अब छात्रों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का पर्याप्त अवसर मिल रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आप जिस लक्ष्य को पाना चाहते है, उसके प्रति समर्पित हो जाए। माननीय विधायक ने युवाओ से राजनीति में आने की भी अपील की। समारोह को संबोधित करते हुए माननीय विधायक श्रीमती ममता देवी ने कहा कि झारखंड के बच्चे पढ़ने में ही नहीं, खेलने में भी अव्वल है। खिलाड़ी सिर्फ खेल भावना का ही नहीं, सद्भावना का भी परिचय देते है। सरकार की खेल नीति खेलो और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दे रही है। खेल को बढ़ावा देने के लिए राज्य में पहली बार खेल शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है।

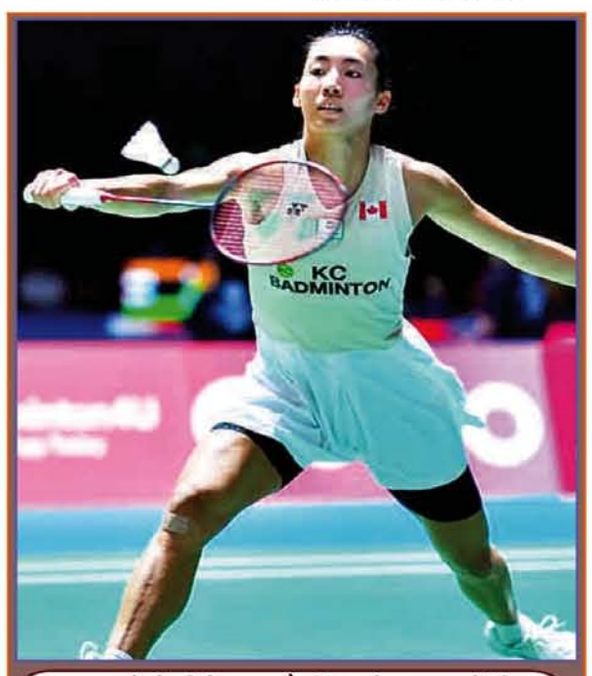

गुरुवार को टोक्यो में जापान बैडमिंटन ओपन 2025 में चीन की चेन यूफेई और कनाडा की मिशेल ली के बीच महिला एकल राउंड ऑफ 16 के मैच के दौरान रिटर्न शॉट लगाती मिशेल ली।

ऑफिस में हिट, किचन में फिट

घर परिवार

मॉम मैंने आज बिरयानी बनाई, घर में सभी को पसंद आई। सब बहुत तारीफ कर रहे थे...। हाल ही में शादी के बाद ससुराल में रह रही अपनी बेटी ईशा की चहकती आवाज सुनकर अमृता के कानों में जैसे शहद घुल गया। वह सोचने लगीं कि ईशा को तो किचन के काम करने की बिल्कुल आदत नहीं है।

हॉस्टल में रहने और हर वक्त पढ़ाई के दबाव में वह किचन का कोई काम कहां सीख पाई थी। फिर उसे कठिन बिरियानी बनाना किसने सिखाया? तुम्हें बिरियानी बनाने का तरीका भी पता है? जवाब मिला, 'ओह मॉम, आप भी..., मैंने फोन पर रेसिपी खोज ली थी, उसे साथ में रखा और जैसा उसमें लिखा था, वैसा बनाती गई और अच्छी बिरियानी तैयार हो गई। घर में सभी को स्वाद अच्छा लगा।'

ऑफिस में हिट, किचन में फिट

अमृताजी को लगा कि बेटी उनसे ज्यादा सयानी हो गई है। वह बेकार ही सालों तक चिंता में घुलती रहीं कि ईशा ने किचन में इंट्रेस्ट नहीं लिया, पता नहीं ससुराल में क्या करेगी? लेकिन उनकी इंजीनियर बेटी ऑफिस में भी हिट है और घर के किचन में भी फिट है। ऑफिस में उसकी रेटिंग एक्सीलेंट है और घर का हर सदस्य भी उसके व्यवहार और काम करने के तरीके की तारीफ करता है।

उन्हें गर्व महसूस हुआ अपनी बेटी पर। वह जान गईं कि आज की स्मार्ट लड़कियों को पता है कि कौन-सी चीज कहां, कब और कैसे इस्तेमाल करना है। आज ईशा जैसी स्मार्ट लड़कियां टेक्नोलॉजी और कम्यूनिकेशन रिवॉल्यूशन का फायदा स्मार्ट होम मैनेजमेंट के लिए कर रही हैं। वे घर के कामों को कम टाइम में बेहतर तरीके से मैनेज कर रही हैं। मां की मोटी रेसिपी डायरी या छपी किताबों की जगह ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल साइट्स ने ले ली है। इन पर ढेरों जानकारियां हैं और वे इसका बुद्धिमानी से फायदा उठा रही हैं।

सब डिजिटल है

आजकल अचानक मेहमान घर पर आ जाएं तो हाथ-पैर नहीं फूलते कशिश के। वह झट से ऐसा मेनू बनाती हैं जिसमें उनके बनाए घर के आइटम के साथ होम डिलीवरी पर मंगा सकने वाली रेडिमेड चीजें भी होती हैं। सिलेक्शन में इंटरनेट भी मदद करता है। जब तक उनका ऑर्डर किया सामान आता है तब तक वह घर के स्मार्ट गैजेट्स की मदद से कुकिंग कर लेती हैं और मेहमान की खातिरदारी की तैयारी भी पूरी हो जाती है। घर का सामान, सब्जियां यहां तक कि सास-ससुर की दवाइयां तक वह होम डिलीवरी से मैनेज कर लेती हैं। इससे बाजारों के चक्कर तो बचते ही हैं साथ में समय की बचत भी हो जाती है।

स्मार्ट फोन है हथियार

'मुझे जो भी काम जिस दिन भी, जिस समय भी करना होता है तो तुरंत फोन पर रिमाइंडर लगा लेती हूं। जिससे चूक नहीं होती। घर का जो भी सामान खत्म हो जाता है या जो काम पेंडिंग हो जाते हैं उनकी लिस्ट फोन पर नोट्स में बनाती जाती हूं। जब मार्केट जाती हूं तो लिस्ट साथ ही होती है और आसानी से सारे काम हो जाते हैं''। जी हां, अपने हर काम को बेहतर प्लानिंग और स्मार्ट तरीके से अंजाम देती हैं वंदना। उनके हाथ का स्मार्ट फोन उनके स्मार्ट होम मैनेजमेंट का हथियार है। वंदना कहती हैं- 'प्लानिंग जरूरीहै और जब हम वर्किंग हैं, कई-कई घंटे काम पर रहते हैं तो एक्यूरेट प्लानिंग ही हमें सक्सेसफुल बना सकती है'।

प्लानिंग वीकएंड की

वीकएंड का स्मार्ट प्लान बनाती हैं न्यूएज गर्ल्स। इनका मानना है कि घर और ऑफिस में बैलेंस बनाने के लिए फ्रेश रहना बहुत जरूरी है ताकि ऑफिस में भी बेस्ट दे सकें और घर में भी टाइम दे सकें। घर और दफ्तर मैनेज करने के लिए वे प्लानिंग पर बराबर ध्यान देती हैं। जिसमें उनकी पर्सनल केयर की जरूरतें भी शामिल होती हैं। फ्राइडे को होम मूवी एंजॉय कर फैमिली के बीच समय बिताने का पूरा मजा लेना भी जानती हैं वे।

छोटी-सी तारीफ भी देती है

बड़ी खुशी

रिश्ते नाते

कोई भी महिला तब और निखर उठती है, जब कोई उसकी खूबसूरती की तारीफ करने वाला हो। कोई उसकी छोटी-छोटी जरूरतों का खयाल रखने वाला हो। अगर वह अपने साथी के लिए कुछ करे तो वह उसे नोटिस करे। जब साथी इन बातों का खयाल रखता है तो दांपत्य जीवन खुशियों से महक उठता है।

आज सुबह से ही तन्वी का मन कुछ उदास था, न जाने किस सोच में गुम थी। पिछले काफी समय से सोच रही थी कि उसकी शादीशुदा जिंदगी में कुछ कमी-सी है लेकिन तभी मोबाइल पर आए एक मैसेज ने जिंदगी में छाई सारी निराशाओं को पल भर में मानो दूर भगा दिया और तन्वी के मन में एकाएक नई उमंगें तैरने लगीं। इसमें लिखा था-'कैसी हो स्वीटहार्ट'? तुम्हारा दिन कैसा बीत रहा है?

यह मैसेज पढ़ते ही तन्वी का उदासी में डूबा दिन खुशनुमा हो उठा। उसके मन में शाम की कई प्लानिंग चलने लगीं। आईने में खुद को बार-बार निहारने लगी। वाकई में तन्वी जितनी खुश थी, उसकी चमक उसके चेहरे पर स्पष्ट दिखाई दे रही थी। उसके बाद ही तन्वी ने भी पूरी गर्मजोशी से मैसेज का जवाब भी दिया और उसके खुश रहने के साथ पूरे घर का माहौल खुशनुमा हो गया।

क्या चाहती हैं महिलाएं

अक्सर पुरुष सोचते हैं कि स्त्रियों को खुश करना बड़ा मुश्किल है, लेकिन वे नहीं जानते कि उनकी जीवनसंगिनी खुश होने के लिए बेशकीमती तोहफा नहीं चाहती, उसे तो प्यार से दी गई एक कैंडी भी खुश कर सकती है। लंबे से मेल के बजाय प्यार में डूबी छोटी-सी पंक्ति भी जीवनसाथी को प्रसन्ना कर सकती है। बस, इस पर ध्यान देने की जरूरत है।

बस थोड़ी-सी केयर

सचाई यह है कि करियर में कोई स्त्री कितनी भी कामयाब क्यों न हो जाए, उसे सबसे बड़ी खुशी तब मिलती है, जब उसका साथी उसकी छोटी-छोटी ख्वाहिशों को समझता हो, उनका खयाल रखता हो। दरअसल, ऐसा करते हुए वह यह जता देता है कि वह उसके लिए कितनी खास है। महिलाएं हमेशा से चाहती हैं कि उनका साथी कार में पहले खुद बैठने की बजाय उनके लिए कार का दरवाजा खोले। ये चाहत इसलिए नहीं है कि वह यह काम खुद नहीं कर सकती या फिर शारीरिक रूप से कमजोर हैं, वह सिर्फ अपने पार्टनर से एक स्नेह भरे रिश्ते की अपेक्षा रखती हैं।

प्रकृति ने पुरुष को फिजिकली मजबूत बनाया है। वह मेहनत करता है, परिवार चलाता है। स्त्री उसका खयाल रखती है। आदिकाल से ऐसा ही होता रहा है लेकिन समय के साथ इसमें बदलाव भी आया है। अब स्त्रियां घर-ऑफिस साथ संभाल रही हैं। पुरुष उनकी मेहनत की कद्र करता है, लेकिन कहीं न कहीं वह इसका इजहार करने से चूक जाता है।

गर्भावस्था के दौरान कमर दर्द

अब नहीं करेगा परेशान...

स्वास्थ्य

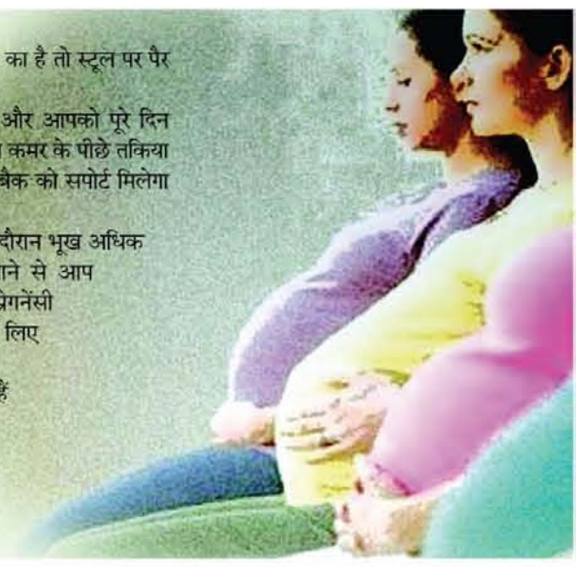

प्रेगनेंसी के दौरान अधिकतर महिलाओं को कमर दर्द की समस्या का सामना करना पड़ता है। 9 माह तक कमर पर पड़ने वाला अत्याधिक भार कई तरह की समस्याओं को जन्म देता है। लेकिन अगर आप गर्भावस्था में कमर दर्द की समस्या से छुटकारा पाना चाहती हैं तो इन टिप्स को ट्राई जरूर करें।

प्रेगनेंसी के दौरान गलत पोश्चर कमर दर्द का सबसे बड़ा कारण है। कोशिश करें कि बैठते वक्त आपकी कमर एकदम सीधी हो और इसपर किसी प्रकार का कोई दबाव न पड़ रहा हो।

■ कोशिश करें कि आपके स्लीपर्स फ्लैट, सिंपल और कम्फर्टेबल हों। हाई हील्स के शूज पहनने से बचें, ये आपकी कमर पर अधिक भार डालते हैं।

■ आपके बैड के गद्दे जितने अच्छे होंगे आपको नींद भी उतनी ही अच्छी आएगी। कमर पर कम दबाव पड़ें, इसके लिए अपने घुटनों के नीचे तकिया लगाकर सोएं। अपने घुटनों के बीच तकिया लगाकर सोने से भी आप कमर दर्द से बच सकते हैं।

■ नौ महीनों तक एक्स्ट्रावेट लेकर चलना आपकी कमर पर पहले से ही काफी भार डाल चुका होता है। ऐसे में और अधिक वेट लेकर चलने से बचें।

■ अगर आपको जमीन से कुछ उठाना है तो अपने घुटनों को मोड़ें और कमर को सीधा रखें। कुछ उठाने के लिए अपनी कमर की बजाए पैरों पर प्रेशर डालें। कोशिश करें कि आपके इस्तेमाल करने वाला सभी जरूरी सामान आपकी पहुंच के अंदर हो।

■ प्रेगनेंसी में सबसे अधिक भार आपकी कमर पर पड़ता है। ऐसे में कमर दर्द की समस्या से बचने के लिए लम्बे समय तक बैठने से बचें। अगर आपका काम ज्यादा देर तक बैठे रहने का है तो स्टूल पर पैर रखकर बैठें।

■ अगर आप वर्किंग हैं और आपको पूरे दिन बैठकर काम करना होता है तो कमर के पीछे तकिया जरूर लगाएं। इससे आपकी बैक को सपोर्ट मिलेगा और कमर में दर्द नहीं होगा।

■ सब जानते हैं कि इस दौरान भूख अधिक लगती है लेकिन अधिक खाने से आप ओवरवेट भी हो सकती हैं। प्रेगनेंसी के बाद मोटापे से बचने के लिए हेल्दी डाइट लें।

अगर आप ड्राइव कर रही हैं तो ये सुनिश्चित करें कि आपकी सीट बेल्ट से आपका पेट दब न रहा हो।

मेथी का सेवन कई मायनों में गुणकारी

मेथी बहुत गुणकारी है जो सेहत के लिहाज से गुणकारी है। मेथी में भरपूर मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन सी, नैसिन, पौटेशियम, आयरन और अल्कालाड्यस होता है। इसमें डाइसोजेनिन भी होता है जो ऑस्ट्रियोजेन जैसे गुणों से भरपूर होता है। मेथी में कई स्वास्थ्यवर्धक गुण होते है जो कई शारीरिक समस्याओं को दूर भगा देते है।

मेथी के दाने बालों की जड़ों को मजबूत करते हैं और उसे पुनर्जीवित भी करते हैं। इसमें प्रोटीन होता है, इसलिए मेथी दानों को अपनी डाइट में शामिल करने से आपके बाल खूबसूरत बनेंगे।

मेथी के दानों में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। खाली पेट मेथी दानों को चबाने से एक्सट्रा कैलरी बर्न होती है। सुबह दो गिलास मेथी का पानी पीने से मोटापा दूर होता है। मेथी का पानी बनाने क लिए एक बड़ा चम्मच मेथी के दानों को दो गिलास पानी में रातभर भिगो दें और सुबह इसे छानकर पी लें। मेथी के सेवन से किडनी भी स्वस्थ होती है। पथरी के इलाज में भी मेथी फायदा करती है।

रेडियोग्राफी है बेहतरीन करियर ऑप्शन

स्वास्थ्य

मेडिकल प्रोफेशन का दायरा सिर्फ डॉक्टनर और नर्स तक ही सीमित नहीं है। इससे कई और लोग भी जुड़े हुए हैं जिनका अहम रोल है। उन्हीं में से एक है रेडियोग्राफर। दरअसल, किसी भी बीमारी के सफल और सही इलाज के लिए पहले बीमारी की पहचान बेहद जरूरी है। बीमारी की पहचान के लिए कई बार मरीज के शरीर के अंदरूनी हिस्सों की जांच की जाती है, जिसे रेडियोग्राफी कहा जाता है। रेडियोग्राफी को डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी और थेराप्यूटिक रेडियोग्राफी में बांटा गया है। रेडियोग्राफी के तहत एक्स-रे, फ्लोरोस्कॉपी, अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग, एंजियोग्राफी और पोसोट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी जैसे टेस्ट आते हैं। रेडियोग्राफी में संभावनाएं रेडियोग्राफी में करियर की अच्छी संभावनाएं हैं। रेडियोलॉजी का कोर्स करने के बाद आपको सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों, नर्सिंग होम, क्लीनिक, मिलिट्री सर्विस, शिक्षा संस्थानों और रिसर्च लैबोरेटरी में नौकरी मिल सकती है। केवल भारत में ही नहीं, विदेशों में भी हेल्थ सेक्टर में विशेषज्ञ और ट्रेंड रेडियोलॉजिस्ट की काफी जरूरत महसूस की जा रही है। विदेशों में रेडियोलॉजी टेक्नीशियन की ज्यादा मांग है। अगर आप इससे संबंधित कोर्स करके विदेश जाते हैं तो भारत की तुलना में विदेशों में कई गुना ज्यादा कमा सकते हैं।

कहां से करें पढ़ाई...

रोडियोग्राफी से संबंधित कोर्स करवाने वाले प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं:- -ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली -जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी, हमदर्द नगर, नई दिल्ली -जयपुर गोल्डन हॉस्पिटल, रोहिणी, नई दिल्ली -यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस ऐंड जीटीबी हॉस्पिटल, दिलशाद गार्डन, नई दिल्ली -बीआरडी मेडिकल, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश -महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी, उत्तर प्रदेश -पटना मेडिकल कॉलेज ऐंड हॉस्पिटल, पटना, बिहार -दरभंगा मेडिकल कॉलेज ऐंड हॉस्पिटल, दरभंगा, बिहार -मेडिकल कालेज, पटियाला, पंजाब -बीजे मेडिकल कॉलेज, अहमदाबाद, गुजरात -क्रिश्चियन मेडिकल स्कूल, वैल्लूर, तमिलनाडु -संजीविनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल कोर्स, इंडस्ट्रियल एरिया फ़ेस 2, चंडीगढ़ -मेडिकल कॉलेज ऐंड हॉस्पिटल, कोलकाता, -अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटल ऐंड अलॉइड साइंस, रत्नानगर, चेन्नई, तमिलनाडु -गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, पटियाला, पंजाब -टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल, परेल, मुंबई।

फिल्मो के जरिए काफी लोकप्रिय हैं खंडाला और लोनावला

सैर सपाटा

महाराष्ट्र का प्रसिद्ध रमणीक स्थल एवं पर्वतीय नगर खंडाला लोनावला मुंबई- पुणे राजमार्ग पर स्थित है। सहयाद्रि पर्वत श्रृंखला के पश्चिम घाट में मोर घाट की उतराई पर खंडाला एवं लोनावला पर्वतीय स्थल महाराष्ट्र के सैलानियों में खासा प्रसिद्ध है। फिल्म गुलाम के गीत आती क्या खंडाला, के बाद से तो इस स्थल की लोकप्रियता देशव्यापी हुई है और यहां दूर-दूर से लोग आने लगे हैं। खंडाला लोनावला के मुकाबले छोटा किंतु शांत स्थल है। वर्षा ऋतु की प्रथम फुहार के बाद खंडाला का नैसर्गिक सौंदर्य अत्यंत मनोहारी हो जाता है। पर्वत श्रृंखलाओं से छोटे झरने तथा झुके हुए बादल नैसर्गिक शोभा को मनमोहक एवं नयनाभिराम बना देते हैं। यह स्थान शांत वातावरण के कारण स्वास्थ्य लाभ के लिए भी उपयुक्त माना जाता है। यहां पर विश्राम गृहों, धर्मशालाओं, सेनिटोरियम आदि की भरमार है। अप्रैल माह से वर्षा आगमन तक यहां का तापमान ठीक ठाक रहता है। लोनावला की पर्वत श्रृंखलाएं पर्यटकों के लिए सबसे ज्यादा आकर्षण का केन्द्र हैं। लवर्स प्वाइंट, टाइगर्स लीप, हार्स शू वैली, डीप प्वाइंट जैसे अनेकों दर्शनीय स्थल यहां पर हैं। साथ ही आप भुसी डेम तथा भुसी लेक भी देखने जा सकते हैं। भूसी बांध के अंत में जब जल प्रपात नदी से मिलने के लिए नदी की ओर ऊपर से नीचे गिरता है तो उसकी ध्वनि व सुंदर दृश्य सैलानी निहारते ही रह जाते हैं। लोनावला की गुफाएं भी अद्वितीय हैं। खासकर कारला और भाजे तथा बेडसा जैसी पुरातन गुफाएं तो खासा महत्व रखती हैं। कारला गुफा अत्यंत पुरातन एवं ऐतिहासिक गुफा है। इसका निर्माण ईसा से 160 वर्ष पहले का माना जाता है। कारला गुफा में भारतवर्ष की विशालतम चैत्य गुफा का समावेश है। यहां पर बुद्धकालीन स्थापत्य कला चरम सीमा पर है। इस गुफा में खंभों पर बनाई गई अनेक कलाकृतियां स्थापत्य कला का बढ़िया उदाहरण हैं। साथ ही यहां पर काष्ठ से बना एक मंदिर भी है जिसकी आकृति कैथेड्रल से मिलती है। यहां पर भगवान शिव की एक विशाल प्रतिमा भी है। भाजे गुफा लोनावला से बारह किलोमीटर दूर है। भाजे गुफा में 18 गुफाओं का समावेश है तथा 12 नंबर की गुफा सर्वश्रेष्ठ है। इसमें 13 खंभे हैं तथा 14 स्तूप हैं जो बुद्धकालीन हैं। यहां अनके विहार भी बने हुए हैं जो उपदेश एवं धार्मिक कार्यों के उपयोग में आते थे। वेडसा गुफा सुपति पर्वत पर स्थित है। यहां पर दो गुफाएं हैं। इन गुफाओं का निर्माणकाल सम्भवतः प्रथम शताब्दी का है। गुफा के एक ओर स्त्री?पुरुष एवं पशुओं के सुंदर एवं मनमोहक भित्तिचित्र हैं। नारी अपने संपूर्ण श्रृंगार के साथ अश्व पर सवार है। भित्तिचित्र में नारी के पारदर्शक वस्त्रों की भी सुंदर रचना की गई है। अन्य स्तंभों पर भी इसी प्रकार की चित्रकारी है। यह गुफा 30 फुट चौड़ी तथा 45 फुट गहरी है। कारला से ही तीनों गुफाओं पर जाने की व्यवस्था है। महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम द्वारा यहां पर रहने व खाने के लिए रिसोर्ट एवं होटल भी बनाये गये हैं। मुंबई से पुणे जाते समय सड़क एवं रेल मार्ग द्वारा खंडाला प्रथम तथा लोनावला द्वितीय पड़ाव पड़ते हैं। दोनों नगरों में पांच किलोमीटर की दूरी है। मुंबई से सड़क मार्ग द्वारा खंडाला 99 किलोमीटर तथा लोनावला 104 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा रेल मार्ग द्वारा यह दूरी 123 किलोमीटर एवं 128 किलोमीटर की है।

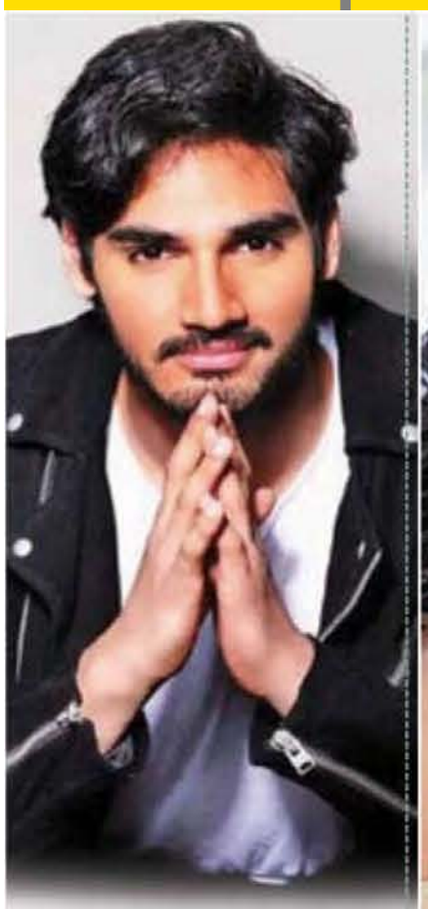

बॉर्डर 2 की शूटिंग को लेकर उत्साहित दिखे सुनील शेट्टी के बेटे अहान

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आने वाले हैं। अभी इस फिल्म की शूटिंग हो रही है। ऐसे में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के जरिए बताया है कि पुणे में इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अहान शेट्टी वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं।

अहान ने पुणे में पूरी की शूटिंग

शुक्रवार को अहान शेट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि उन्होंने पुणे में अपनी शूटिंग कंप्लीट कर ली है। अहान ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में लिखा है और क्या है यह बॉर्डर? बस एक फौजी और उसके भाई हैं। पुणे में यह कार्यक्रम समाप्त हुआ अब अगले कार्यक्रम पर चलते हैं।

वरुण धवन ने अहान के साथ चाय पी

इससे एक दिन पहले वरुण धवन ने भी बताया था कि पुणे में उन्होंने एनडीए की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अहान शेट्टी के साथ चाय और बिस्कुट खा रहे थे। वीडियो क्लिप शेयर करते हुए वरुण धवन ने लिखा बॉर्डर 2 चाय और बिस्कुट। एनडीए में शूटिंग पूरी हो गई है। हमने बिस्कुट के साथ सेलेब्रेट किया है। पिता की तरह बनना चाहते हैं अहान कुछ दिनों पहले अहान शेट्टी ने बॉर्डर 2 से जुड़ने के अपने सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा वह अपने पिता की तरह बनना चाहते थे जो बॉर्डर (1997) में नजर आए थे। उन्होंने अपने पिता और अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा हर बेटा कहीं न कहीं अपने बाप जैसा बनना चाहता है। बॉर्डर 2 – 23 जनवरी 2026।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। फिल्म में भारतीय सेना की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

शिल्पा शेट्टी का मॉलीवुड में काम ना करने की वजह का खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को कन्नड़ मूवी केडी– द डेविल में देखा जाएगा। उन्होंने खुलासा किया कि मलयालम सिनेमा की फैन होने के बावजूद उन्होंने कभी इसमें काम क्यों नहीं किया! उन्होंने केडी.. के टीजर लॉन्च के मौके पर अपनी हिचकिचाहट के बारे में खुलासा किया। शिल्पा शेट्टी ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है। उन्होंने खुलासा किया कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से प्रोड्यूसर्स के कई ऑफर्स भी मिले। शिल्पा ने कहा, मैंने कभी उन्हें हां नहीं कहा, क्योंकि मैं डरी हुई थी।

मलयालम सिनेमा से है प्यार

शिल्पा ने बताया कि मलयालम सिनेमा के लिए उनके दिल में बहुत प्यार है। उन्होंने कहा, मुझे मलयालम सिनेमा बहुत पसंद है और मैं इस बात से हैरान हूं कि ये इंडस्ट्री भावनाओं को कैसे पेश करती है। उन्होंने ये भी बताया कि मलयालम फिल्मों में कहानी और एक्टिंग एक अलग ही लेवल पर होते हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे कभी यकीन नहीं हुआ कि अगर मैं इस इंडस्ट्री में काम करूंगी तो अपने किरदार के साथ न्याय कर पाऊंगी। लेकिन देखते हैं, शायद मैं एक दिन कोई मलयालम फिल्म करूंगी।

मोहनलाल संग करना चाहती हैं काम

जब शिल्पा से पूछा गया कि क्या मलयालम इंडस्ट्री में कोई एक्टर है, जिसके साथ वो काम करना चाहेंगी तो उन्होंने मोहनलाल का नाम लिया। उन्होंने कहा, वो शानदार हैं। इतने साल बाद भी वैसे ही दिखते हैं। वो इंडियन सिनेमा के सबसे अमेजिंग एक्टर्स में से एक हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उनकी पसंदीदा फिल्म नोक्केथाधूराथु कन्नुम नट्टू है।

फिल्म की कास्ट

केडी – द डेविल की बात करें तो इसका निर्देशन प्रेम कर रहे हैं। ध्रुव सरजा की एक्शन से भरपूर इस फिल्म में संजय दत, रेशमा नानैया, वी रविचंद्रन और रमेश अरविंद भी हैं।

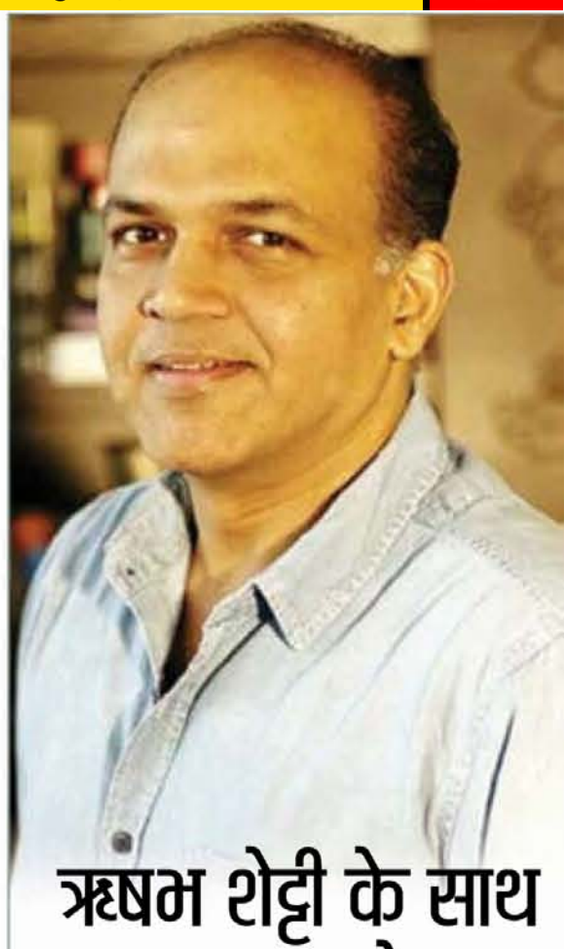

ऋषभ शेट्टी के साथ सम्राट कृष्णदेवराय पर फिल्म बनाएंगे आशुतोष गोवारिकर

फिल्म कांतारा से दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले ऋषभ शेट्टी ने एक रोमांचक फिल्म साइन की है। खबरों के अनुसार वे बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ काम करेंगे। यह फिल्म व्यापक स्तर पर बनाई जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक आशुतोष गोवारिकर और ऋषभ शेट्टी विजयनगर सम्राट कृष्णदेवराय पर फिल्म बनाएंगे। इस फिल्म के जरिए सम्राट कृष्णदेवराय के जीवन की झलक को परदे पर दिखाएंगे। यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण एनटीआर बायोपिक, जयललिता बायोपिक और कपिल देव बायोपिक बनाने वाले प्रसिद्ध टॉलीवुड निर्माता विष्णु वर्धन इंदुरी करेंगे।

साउथ और बॉलीवुड के सितारे बनेंगे फिल्म का हिस्सा

आशुतोष गोवारिकर को लगान, स्वदेश और जोधा अकबर जैसी क्लासिक फिल्मों के लिए जाना जाता है। इसके अलावा उन्होंने मोहनजोदड़ो और पानीपत जैसी ऐतिहासिक फिल्में बनाने के लिए भी जाना जाता है। वह श्री कृष्णदेवराय की बायोपिक को बड़े पैमाने पर बनाने के लिए उत्साहित हैं। इस फिल्म में कई दक्षिण भारतीय और बॉलीवुड सितारे अहम किरदार अदा करते दिखेंगे।

इन फिल्मों में नजर आएंगे ऋषभ शेट्टी

इस फिल्म को लेकर अभी और अपडेट सामने आना बाकी है। बात करें ऋषभ शेट्टी की तो वे फिल्म कांतारा 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं। फिल्म कांतारा साल 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इस फिल्म का निर्देशन भी खुद ऋषभ शेट्टी ने किया। इसके अलावा ऋषभ फिल्म जय हनुमान में भी नजर आएंगे। फिल्म जय हनुमान का निर्देशन प्रशांत वर्मा कर रहे हैं।

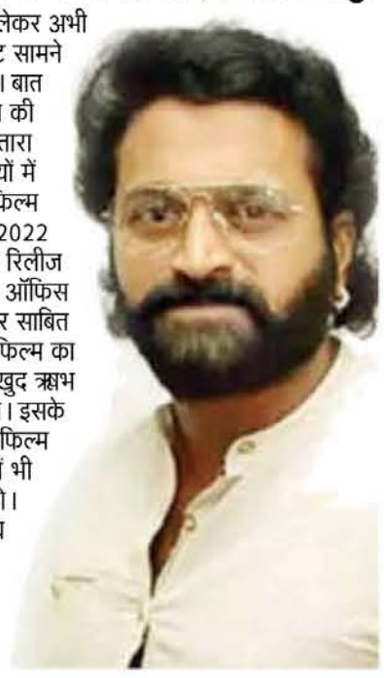

मैंने धुरंधर जैसी फिल्म पहले कभी नहीं देखी

अभिनेता अर्जुन रामपाल अपनी आने वाली फिल्म धुरंधर को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह फिल्म उनकी अब तक की किसी भी फिल्म से बिल्कुल अलग है। अभिनेता ने कहा कि ऐसी फिल्म उन्होंने पहले कभी नहीं देखी। अर्जुन ने कहा, फिल्म को बनाने से पहले मेकर्स ने काफी रिसर्च किया है। इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया गया है। फिल्म की पूरी टीम ने अपने-अपने काम में पूरी मेहनत की है। फिल्म के फर्स्ट लुक को मिल रही प्रतिक्रिया को देखने के बाद मैंने निर्देशक आदित्य धर को गले लगा लिया। फिल्म में अर्जुन के अलावा रणवीर सिंह, आर माधवन, संजय दत्त और अक्षय खन्ना भी अहम किरदार में हैं। अर्जुन ने इस फिल्म में एक ग्रे किरदार निभाया है। ग्रे किरदार उन्हें कहते हैं जो पूरी तरह से अच्छे या बुरे नहीं होते। उनमें दोनों तरह के गुण शामिल होते हैं। अर्जुन ने कहा, फिल्म में मेरे किरदार में थोड़ा गुस्सा और सही-गलत का मिलाजुला भाव होगा, जो दर्शकों के लिए बिलकुल नया और अनोखा होगा। धुरंधर फिल्म को आदित्य धर ने न सिर्फ निर्देशित किया है, बल्कि इसकी कहानी को लिखा भी है। यही नहीं, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर के साथ मिलकर प्रोड्यूस भी किया है।

बींदणी में मेरा किरदार बाहर से सख्त और अंदर से नर्म दिल वाला है

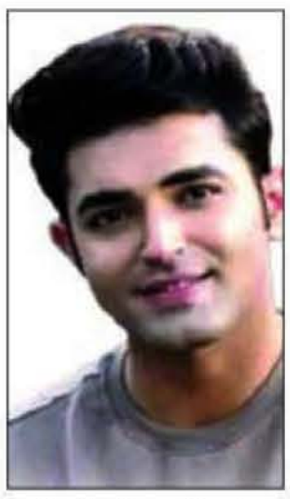

आगामी टीवी शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी – बींदणी में एक्टर आकाश जग्गा शामिल हो गए हैं। इसकी घोषणा शो के मेकर्स ने की। वह सीरियल में लीड किरदार निभाते नजर आएंगे। वह कुंदन नाम के लड़के का किरदार निभाएंगे, जो अंदर से बहुत भावुक है, लेकिन बाहर से सख्त दिखाई देता है। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी - बींदणी एक महिला के अपने अस्तित्व को खोजने और साहस के साथ संघर्ष करने की कहानी है। शो का हिस्सा बनने पर खुशी जाहिर करते हुए आकाश जग्गा ने कहा, मैं बहुत आभारी हूं कि मुझे सन नियो चैनल के शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी में लीड रोल मिला है। कुंदन का किरदार बहुत ही गहराई वाला है, उसमें कई भावनात्मक परतें हैं। मुझे यकीन है कि जिस तरह मैं इस किरदार से जुड़ाव महसूस करता हूं, उसी तरह दर्शक भी इससे जुड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, जब लेखक और प्रोड्यूसर रघुवीर शेखावत सर ने मुझसे कहा, तुम्हें इस रोल को निभाने में मजा आएगा, इसमें बहुत कुछ करने को है, उनकी ये बात मेरे दिल को छू गई।

यादगार नहीं रहा शनाया का डेब्यू, बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी 'आंखों की गुस्ताखियां'

स्टारकिड शनाया कपूर का बॉलीवुड डेब्यू वैसा नहीं रहा, जिसकी उम्मीद की जा रही थी। उनकी डेब्यू फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' शुरुआती तीन दिनों में ही बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी है। बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 30 लाख रुपये से अपना खाता खोलने वाली 'आंखों की गुस्ताखियां' बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ती दिख रही है। फिल्म को वीकेंड का भी कोई लाभ नहीं मिला और शनिवार को जहां फिल्म ने सिर्फ 49 लाख रुपए का कलेक्शन किया। वहीं संडे को छुट्टी वाले दिन फिल्म की कमाई एक बार फिर घट गई। रविवार को अपने तीसरे दिन फिल्म सिर्फ 41 लाख ही जुटा पाई। इस तरह से शुरुआती तीन दिनों में 'आंखों की गुस्ताखियां' का कुल कलेक्शन सिर्फ 1.2 करोड़ रुपये ही हो पाया है। 'आंखों की गुस्ताखियां' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव की 'मालिक' और हॉलीवुड फिल्म 'सुपरमैन' से है। 'आंखों की गुस्ताखियां' की हालत का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक भी दिन करोड़ में कमाई नहीं कर पाई है।

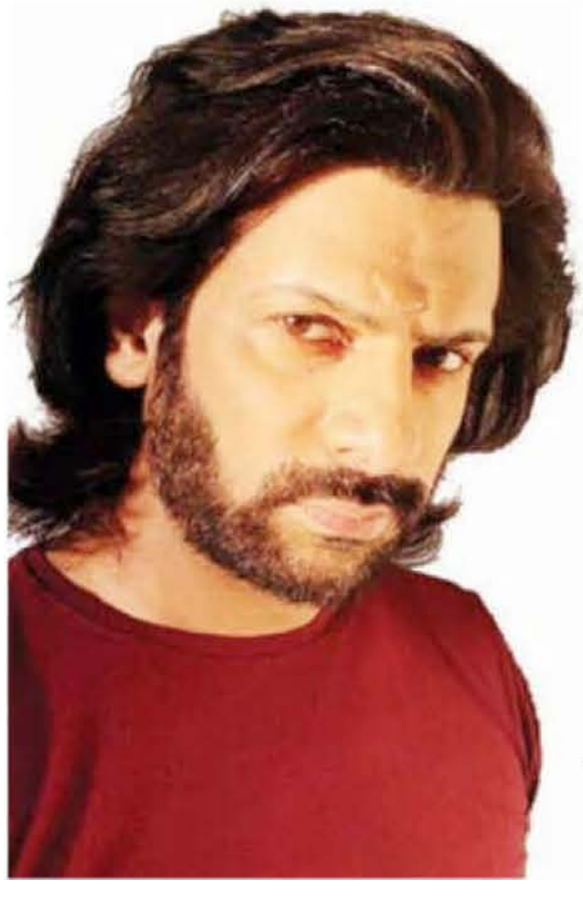

जहराक बनकर स्क्रीन पर तबाही मचाएंगे करण वीर मेहरा

बॉलीवुड में जब भी किसी खतरनाक विलेन की बात होती है तो दर्शक कुछ डरावना देखने की उम्मीद करते हैं। बस इसी को ध्यान में रखते हुए करण वीर मेहरा अपनी नई फिल्म में विलेन की भूमिका को निभाने के लिए तैयार हैं। जी हां, उनकी आने वाली फिल्म 'सिला' में उनके खलनायक अवतार 'जहराक' की पहली झलक सामने आई है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

सिला में विलेन की भूमिका

निर्देशक ओमंग कुमार, जो 'मैरी कॉम' और 'सरबजीत' जैसी सशक्त फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, अब 'सिला' नाम की एक रोमांटिक-एक्शन फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में लीड रोल में हर्षवर्धन राणे और सादिया खतीब दिखाई देंगे, लेकिन जो सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोर रहा है, वो है करण वीर मेहरा का खतरनाक और आक्रामक विलेन लुक। करणरी ने अपने इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जो अब फैंस को काफी पसंद आ रहा है। साथ ही ये ऐसा लुक है जिससे करणवीर बिल्कुल भी पहचान में ही नहीं आ रहे हैं। जब इंसाफ भी खुद और सजा भी!

करण वीर ने सोशल मीडिया पर अपना लुक शेयर करते हुए लिखा – खुद ही खुदा, खुद ही इंसाफ! करणवीर की इस एक लाइन ने फैंस को उनके किरदार की गहराई और भयावहता का अंदाजा दे दिया है। पोस्टर में करण वीर लहूलुहान शरीर, लंबे उलझे बालों और हाथ में तलवार लिए युद्ध के लिए तैयार दिख रहे हैं। उनकी आंखों की आग और शरीर पर खून के धब्बों ने उन्हें एक क्रूर योद्धा के रूप में दिखाया है।

कहानी में ट्विस्ट लाने आ रहा है जहराक करण वीर का किरदार 'जहराक' फिल्म में काफी 'खतरनाक', इंटेंस' और 'डरावना' बताया जा रहा है। उनके लुक पर कई फैंस ने भी कमेंट किया है। उनके फैंस को लुक पसंद आया है। कई लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्हें फिल्म के आने का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की कहानी समीर जोशी ने लिखी है, जबकि डायलॉग्स आरंभ एम. सिंह ने तैयार किए हैं। संगीत की जिम्मेदारी अंकित तिवारी, सचेत-परंपरा, श्रेयस पुराणिक और एलेक्सिया एवलिन जैसे प्रतिभाशाली संगीतकारों के पास है। ये टीम पहले ही कई हिट गाने दे चुकी है, जिससे उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

तीन चीजों पर काम कर रही हैं करिश्मा तन्ना

करिश्मा तन्ना ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है वह तीन चीजों पर काम कर रही है। अपने ऊपर, अपनी जिंदगी पर और अपने सुकून पर। करिश्मा तन्ना की तस्वीरों को कई यूजर्स लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा है आपकी खूबसूरती का तोड़ नहीं। एक और यूजर ने लिखा है खूबसूरती की असली परिभाषा। करिश्मा तन्ना ने साल 2001 में टीवी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी से अभिनय करियर की शुरुआत की। वह साल 2021 में बॉलीवुड फिल्म लाहौर कॉन्फिडेंशियल में नजर आई थीं। वह बाल वीर, एफआईआर और नागिन 3 जैसे टीवी शोज में नजर आ चुकी हैं।

नोएडा के सीईओ ने स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आने पर सफाईकर्मियों व शहरवासियों को दी बधाई

नोएडा (चेतना मंच)। भारत के शहरों में स्वच्छता सर्वेक्षण : 2024-25 में नोएडा शहर को सुपर स्वच्छ लीग सिटीज में पहला स्थान मिला है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने नोएडा शहर की इस उपलब्धि के लिए नोएडा प्राधिकरण में कार्यरत सभी सफाईकर्मियों तथा शहरवासियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि नोएडा के शहरवासियों, सफाईकर्मियों और प्राधिकरण के अधिकारियों के सामूहिक प्रयास के कारण ही नोएडा उत्तर प्रदेश में स्वच्छता सुपर लीग में प्रथम स्थान पर आया है।

आपको बता दें कि बृहस्पतिवार को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम तथा एसीईओ संजय खत्री को सुपर स्वच्छ लीग सिटीज का पुरस्कार प्रदान किया। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा, नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) संजय खत्री ने राष्ट्रपति के हाथों से मोमेंटो तथा प्रमाण-पत्र ग्रहण किया। नोएडा प्राधिकरण को यह पुरस्कार 3 से 10 लाख की आबादी वाले शहरों की कैटेगरी में दिया गया है। इस कैटेगरी में पहले नम्बर पर नोएडा तथा दूसरे नम्बर पर यह पुरस्कार चंडीगढ़ शहर को दिया गया है।

नोएडा शहर को मिली इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में सेक्टर-18 स्थित रेडिशन ब्लू होटल में सेलिब्रेशन सेरमनी आयोजित की गई। इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने इस उपलब्धि पर नोएडा शहर के वासियों तथा सफाईकर्मियों को बधाई दी। सीईओ ने सफाईकर्मियों के नेता बबलू पार्चा समेत कई सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को सम्मानित भी किया। इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कहा कि कड़ी मेहनत और आपसी सहयोग के कारण ही नोएडा को प्रथम स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि हमने हर क्षेत्र में कार्य किया। पॉलीबैग के खिलाफ अभियान चलाया, सीवर व नालों की सफाई पर जोर दिया। कूड़ा निस्तारण के लिए डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन की मुहिम चलाई, गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग करके निस्तारित किया गया। इसी का नतीजा है कि आज स्वच्छता सुपर लीग में नोएडा को उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान मिला है और हमने इस कैटेगरी में चंडीगढ़ शहर को पछाड़ दिया है। नोएडा के सीईओ ने कहा कि इस रैंक को बरकरार रखने के लिए हमें और कड़ी मेहनत करनी होगी तथा हर शहरवासी को सफाई के प्रति जागरूक रहना होगा।

इस अवसर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) संजय खत्री, एसीईओ वंदना त्रिपाठी, ओएसडी महेन्द्र प्रसाद, ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह, खण्ड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, खण्ड-2 के वरिष्ठ प्रबंधक आर.के. शर्मा, महाप्रबंधक अशोक कुमार अरोड़ा, ओएसडी क्रांति शेखर, नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष चौ. राजकुमार सहित नोएडा प्राधिकरण के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बता दें कि वर्ष-2018 में स्वच्छता सर्वेक्षण में नोएडा का रैंक 327, तथा 2019 में 150 थी। लेकिन इसके बाद नोएडा की श्रेष्ठ सफाई व्यवस्था के चलते काफी बदलाव आया। वर्ष-2020 के स्वच्छता सर्वेक्षण में नोएडा देश में 25वें स्थान पर तथा उत्तर प्रदेश में 1 नंबर पर रहा। वर्ष-2021 के सर्वेक्षण में नोएडा देश में अपनी श्रेणी में चौथे नंबर पर तथा प्रदेश में पहले नंबर पर रहा। वर्ष-2022 में फिर 2021 का रैंक बरकरार रहा। वर्ष-2023 के सर्वेक्षण में प्रदेश में नंबर-1 रैंक में रहा। वहीं राष्ट्रीय रैंक में नोएडा 11वें स्थान से गिरकर 14वें स्थान पर पहुंच गया।

गौतमबुद्धनगर में बदलेगी वार्डों की स्थिति आज से प्रक्रिया शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर जिले में नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद एवं नगर निगम के सीमा विस्तार के कारण प्रभावित ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों के आंशिक परिसीमन की समय सारिणी जारी की गयी है। गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने समय सारिणी जारी करते हुए बताया कि निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम सूची 6 अगस्त 2025 से 10 अगस्त 2025 के बीच जारी की जाएगी।

जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि सीमा विस्तार के कारण प्रभावित ग्राम पंचायतों, क्षेत्र पंचायतों और जिला पंचायतों के निर्वाचन क्षेत्रों (वार्डों) के आंशिक परिसीमन की प्रक्रिया कल 18 जुलाई 2025 से प्रारंभ हो गयी है। इन पर आपत्तियों प्राप्त करने, उनका निस्तारण और अंतिम सूची का प्रकाशन करने के लि समय-सारिणी जारी की गयी है। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई से 22 जुलाई के बीच ग्राम पंचायत व जनसंख्या का अवधारण सुनिश्चित किया जाएगा। 23 जुलाई से 28 जुलाई 2025 के बीच ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत के वार्डों की प्रस्तावित सूची की तैयारी और उनका प्रकाशन किया जाएगा। प्रस्तावित प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों पर आपत्तियां 29 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक दी जा सकती हैं। इन आपत्तियों का निस्तारण 3 अगस्त से 5 अगस्त तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की अंतिम सूची का प्रकाशन 6 अगस्त से 10 अगस्त तक किया जाएगा।

यमुना क्षेत्र में जल्द लाएंगे ट्रांसपोर्ट नगर की स्कीम : सीईओ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कहा है कि यीडा क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट नगर की स्कीम जल्द लाई जाएगी। यीडा क्षेत्र में ट्रांसपोर्टेशन की व्यवस्था को बढ़ाने के लिए यमुना प्राधिकरण काम कर रहा है।

गौतमबुद्ध सयुंक्त ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष चौ. वेदपाल सिंह के नेतृत्व मे यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह का फुलों गुच्छ देकर स्वागत किया गया।

सैक्टर-33 यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में निधारित ट्रांसपोर्टरनगर की स्कीम लाकर प्लॉट आवंटन पर चर्चा की। जिस पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने जल्द से जल्द स्कीम लाने की बात कही और कहा कि यमुना क्षेत्र में ट्रांसपोर्टेशन की बहुत जरूरत है।

इस दौरान गौतमबुद्धनगर संयुक्त ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष चौ. वेदपाल सिंह, महावीर नागर, विजयपाल भाटी, कौशल अग्रवाल, शिव कुमार गुर्जर, राजीव चौधरी, वीके सोनी, विपिन कुमार, राहुल तोमर, गौरीशंकर आदि ट्रांसपोर्टर मौजूद थे।

अभियान में 53 वाहन व 5 बसों पर एक्शन

नोएडा (चेतना मंच)। परिवहन विभाग द्वारा बिना परमिट निजी वाहनों के व्यावसायिक उपयोग के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य कर चोरी रोकना, राजस्व वृद्धि करना, अवैध वाहन संचालन पर अंकुश लगाना और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना है। स्कूलों में संचालित निजी वैन, ओला, उबर, जोमैटो आदि में उपयोग होने वाली बिना परमिट/ निजी मोटरसाइकिलें, बस, कार और अन्य वाहन, तथा सरकारी/अर्ध-सरकारी विभागों में किराए पर अनुबंधित गैर-व्यावसायिक वाहन के विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान को प्रभावी बनाने के लिए पांच प्रवर्तन टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें बादलपुर, नॉलेज पार्क, बोटैनिकल गार्डन, सेक्टर-62 और परी चौक में वाहनों के परमिट व अन्य प्रपत्रों की जांच कर रही हैं।

अभियान के तहत बिना कर जमा किये संचालित 12 मोटरसाइकिलों के चालान व 7 बाइक टैक्सी वाहनों, 53 हल्के यात्री वाहनों तथा 5 बसों को निरुद्ध किया गया है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पाण्डेय ने बताया कि यह अभियान सख्ती के साथ चलाया जा रहा है।

छापे के दौरान जेवर में बंद मिले मेडिकल स्टोर

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद के मेडिकल स्टोर्स पर मानकों के अनुरूप दवाईयों की बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से औषधि निरीक्षक जय सिंह ने जेवर क्षेत्र में मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान मोनू मेडिकल स्टोर रबूपुरा जेवर से 2 दवाओं के नमूने जांच के लिए एकत्र किये हैं। प्रयोगशाला से रिपोर्ट आने के उपरांत अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान आसपास के सभी मेडिकल स्टोर बंद मिले।

औषधि निरीक्षक ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के निर्देशों पर जनपद में सभी प्रकार की दवाइयां मानकों एवं गुणवत्ता के साथ सभी मेडिकल स्टोर्स पर बिक्री सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आगे भी इसी प्रकार अभियान चलेगा।

अखिल भारतवर्षीय ब्रह्माण महासभा के पदाधिकारी पं. मदन शर्मा द्वारा गाजियाबाद में कांवड़ियों के लिए लगाए गए श्री बांके बिहारी कांवड़ शिविर में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष पं. पीतांबर शर्मा का लोगों ने पटका पहनाकर तथा शील्ड देकर स्वागत किया। इस मौके पर श्री शर्मा ने शिविर में चल रहे भंडारे में कांवड़ियों को भोजन कराया। इस मौके पर पं. राजकुमार शर्मा, मदन कुमार शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी, चार को नोटिस

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में किसानों को उनकी जोत एवं कृषि भूमि के आधार पर फसलों के लिए उर्वरक उपलब्ध कराने तथा उर्वरकों की बिक्री/वितरण के साथ अन्य उत्पादों की अनिवार्य टैगिंग, ओवर रेटिंग, कालाबाजारी एवं तस्करी जैसी गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से फर्टिलाइजर टास्क फोर्स द्वारा सतत निगरानी व कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

जिलाधिकारी के निर्देशों पर उर्वरक विक्रेताओं के यहां छापेमारी की गई है। जिला कृषि अधिकारी विवेक दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि आज कृषि विभाग, राजस्व विभाग एवं सहकारिता विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा जनपद की तीनों तहसीलों सदर, जेवर एवं दादरी में उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई।

उन्होंने बताया कि तहसील सदर क्षेत्र में उप कृषि निदेशक की टीम, तहसील जेवर में जिला कृषि अधिकारी की टीम तथा तहसील दादरी में अपर जिला कृषि अधिकारी की टीम द्वारा कुल 28 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर उर्वरक की उपलब्धता, मूल्य, वितरण एवं टैगिंग की स्थिति की जांच की गई।

इस दौरान सभी विक्रेताओं को निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरकों की बिक्री करने और जबरन अन्य उत्पादों की टैगिंग न करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान संदेह के आधार पर 7 उर्वरकों के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं, जबकि 04 दुकानदारों को अनियमितता बरतने पर कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।